A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष -22 अंक-61 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

धनतेरस की शुभकामनाएं

ॐ नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वन्तरये:
अमृतकलश हस्ताय सर्वभय विनाशाय सर्वरोगनिवारणाय
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूपाय
श्री धन्वन्तरीस्वरूपाय श्रीश्रीश्री औषधचक्राय नारायणाय नमः॥

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अरब जगत : चीन, रूस व अमेरिका युद्ध रुकवाने में नाकाम क्यों हैं?

रौहान अहमद

अक्टूबर महीने की शुरुआत में इजराइल पर किए गए ईरान के मिसाइल हमले और अब ईरान पर इजराइल के हवाई हमलों के बाद दुनिया भर की नज़रें एक बार फिर मध्य पूर्व पर केंद्रित हो गई हैं जहां एक-एक हिंसक विवाद अब हर गुज़रते दिन के साथ और ख़तरनाक होता जा रहा है। स्टॉक मार्केट्स से लेकर अंतरराष्ट्रीय मामलों पर नज़र रखने वाले विश्लेषकों तक.. सभी मध्य पूर्व की ताज़ा स्थिति और विभिन्न पक्षों के अगले क़दम के बारे में बात करने की कोशिश कर रहे हैं। इन सब के बीच दुनिया की तीन बड़ी शक्तियां अमेरिका, चीन और रूस इस विवाद का हल तलाश करने में नाकाम दिखाई देती हैं।

हमास के इजराइल पर पिछले साल 7 अक्टूबर के हमले के बाद मध्य पूर्व में बढ़ने वाला तनाव अब गाज़ा, लेबनान और यमन के बाद ईरान तक फैलता हुआ नज़र आ रहा है। इजराइली हमले में अब तक हमास और हिज़्बुल्लाह के सीनियर नेताओं समेत हज़ारों लोग मारे जा चुके हैं। इस युद्ध के दौरान इजराइल अपने दुश्मनों, जिसमें हिज़्बुल्लाह, हमास और ईरान शामिल हैं, के ख़िलाफ़ कामयाब कार्रवाइयां करता हुआ नज़र आया है।

अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन में शामिल कई देश न केवल गाज़ा बल्कि लेबनान में भी युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह कोशिशें अब तक कारगर साबित नहीं हुई हैं। अमेरिका समेत कई देशों को यह डर है कि गाज़ा और लेबनान में लड़ी जाने वाली जंग पूरे मध्य पूर्व में भी फैल सकती है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली में अपने भाषण के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि युद्ध किसी के भी हित में नहीं है। इस समस्या का कूटनीतिक हल अब भी मुमकिन है बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने का रास्ता भी यही है।

लेकिन हर तरह की अपीलों के बावजूद इजराइल ने गाज़ा और लेबनान में अपने हमले जारी रखे हैं और ईरान के हमले के बाद इजराइल की ओर से ईरान पर हमले की धमकी दी गई थी। इजराइल का कहना है कि वह मध्य पूर्व में यह सभी कार्रवाइयां अपनी रक्षा में कर रहा है। हमारे पास जंग जीतने के अलावा कोई चारा नहीं है। लेबनान का मोर्चा गर्म होने से पहले अमेरिका इजराइल और हमास के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए वार्ता की कोशिश भी करता रहा है लेकिन यह वार्ता अब तक गतिरोध का शिकार है। लेकिन अब भी प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू की ओर से जारी होने वाले बयानों को देखकर यही लगता है कि संघर्ष ख़त्म करने की मांग और कूटनीतिक कोशिशों का इजराइल पर कोई असर नहीं हो रहा। ईरान के मिसाइल हमलों और इजराइल के हवाई हमलों के बाद यह सवाल पैदा होता है कि दुनिया की बड़ी शक्तियां आख़िर इस विवाद में शामिल पक्षों को युद्ध रोकने के लिए तैयार क्यों नहीं कर पा रहीं और अमेरिका के अलावा रूस और चीन जैसी विश्व शक्तियां इस मामले पर कोई प्रभावी भूमिका क्यों नहीं अदा कर पा रहीं? मध्य पूर्व और अंतरराष्ट्रीय विदेश नीति पर नज़र रखने वाले विशेषज्ञों और विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के बीच असहयोग और अमेरिका की अंदरूनी राजनीति कुछ ऐसी बातें हैं, जिसके कारण इसराइल को युद्ध रोकने के लिए तैयार करना मुश्किल हो रहा है।

एक ओर अमेरिका मध्य पूर्व में किसी बड़े युद्ध को रोकने की कोशिश कर रहा है तो दूसरी ओर सहयोगी के तौर पर इजराइल को सैनिक शक्ति बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर की मदद भी कर रहा है। पिछले महीने इजराइल ने कहा था कि अमेरिका की ओर से 8 अरब 70 करोड़ डॉलर का सहायता पैकेज मिला है ताकि वह अपनी सैनिक कार्रवाइयों को जारी रख सके।

दूसरी ओर रूस और चीन जैसी दूसरी बड़ी शक्तियां बयानों की हद तक तो ऐसे हमलों की निंदा करती हुई नज़र आती हैं जिनसे क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका हो लेकिन उनकी ओर से अब तक कोई व्यावहारिक उपाय देखने में नहीं मिले हैं। लेबनान में इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह समेत हिज़्बुल्लाह के कई सीनियर नेताओं की मौत के बाद चीन ने केवल इतना ही कहा कि वह लेबनान की स्वायत्तता और सुरक्षा के 'उल्लंघन' का विरोध करता है और आम नागरिकों के ख़िलाफ़ की जाने वाली कार्रवाइयों की निंदा करता है। चीन को क्षेत्र में बढ़ते हुए तनाव पर चिंता है।

दूसरी ओर रूस है जो कि इस क्षेत्र में ईरान का महत्वपूर्ण सहयोगी भी है। उसकी भी इस विवाद को हल करने के लिए कोई प्रभावी भूमिका अब तक नज़र नहीं आई है हालांकि मध्य पूर्व की स्थिति की उसने भी निंदा की है। इधर अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहा है जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे के मुक़ाबले की उम्मीद है। स्टिम्सन सेंटर से जुड़ी बारबरा स्लावन कहती हैं कि बाइडन प्रशासन इसराइल समर्थक स्टैंड रखता है। अब जबकि अमेरिकी चुनाव कुछ ही हफ़्ते दूर है तो मुझे नहीं लगता कि बाइडेन या कमला हैरिस दोनों इजराइल के ख़िलाफ़ सख़्त फ़ैसलों का प्रस्ताव देंगे क्योंकि इससे ट्रंप को दोबारा राष्ट्रपति बनने में मदद मिल सकती है। 'लेकिन अगर कमला हैरिस जीत जाती हैं तो क्या पता हमें गाज़ा और लेबनान में युद्ध रोकने के लिए अमेरिकी दबाव बढ़ता हुआ नज़र आए। लेकिन इन सब का दारोमदार इस बात पर होगा कि इजराइल और ईरान इस विवाद के वर्तमान दौर में कहां लकीर खींचते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रतिनिधि मार्ग्रेट मैक्लॉविड कहती हैं, 'जब तक संघर्ष विराम नहीं होगा तब तक मैं ये नहीं कहूंगी कि अमेरिकी सरकार ने काफ़ी काम किया है। हम समझते हैं कि वह विवाद जो इजराइल और हमास के बीच चल रहा है उसका कूटनीति से हल होना चाहिए।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वसुधा की रक्षा के लिए सभी नागरिक अपना दायित्व निभाएं

हम प्रगति और प्रकृति दोनों ही चाहते हैं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यावरण आज सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। वसुधा को बचाने का कर्तव्य हम सभी को निभाना है। भारत की पहचान दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के संदर्भ में भी बनी है। प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सारे विश्व में अपने सक्षम नेतृत्व से

भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता इस बात से सिद्ध होती है कि वे वर्ष 2030 तक भारत द्वारा 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। निश्चित ही हम कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी लाने में सफल होंगे। पर्यावरण की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए राष्ट्रवासी भी सहयोग कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुसार सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रदेश अधिक से अधिक योगदान देगा।

जलवायु परिवर्तन को रोकने जमीनी स्तर पर व्यवहार में लाना होगा बदलाव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास, भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण विमर्श में कहा जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंचामृत की जो बात कही गई है, उसका पालन सभी को करना चाहिए। भारत हमेशा प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में सामने आया है। विषय-विशेषज्ञों ने इस तरह के विचार 'जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास - भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान' पर हुई संगोष्ठी में 'इंडियाज पर्सपेक्टिव ऑन क्लाइमेट चेंज और पॉजिटिव एफर्टस् फॉर क्लाइमेट प्रोटेक्शन एट नेशनल एण्ड इंटरनेशनल लेवल्स पर हुए पैनल डिस्कशन' में व्यक्त किये।

क्लाइमेट जस्टिस जरूरीः सेवानिवृत्त आईएएस श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कार्बन बाजारों में प्रवेश के लिये ठोस फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। इससे प्राकृतिक खेती और सतत् वन विकास एवं पर्यावरणीय प्रयासों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

- **बनायें नेचर वॉलेंटियर्सः** वरिष्ठ पत्रकार की श्री अभिलाषा खांडेकर ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिये नेचर वॉलेंटियर्स बनाने की जरूरत है। पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के व्यवहार में परिवर्तन जरूरी है।
- **एक भी बूंद पानी का नहीं छोड़ताः** आईआईएफएम के प्रोफेसर डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिये भारत सरकार ने बड़ी तेजी से कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं ग्लास में एक भी बूंद पानी की नहीं छोड़ता। श्री दुबे ने कहा कि स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है।

दीपावली पर मोहन सरकार की सौगात

म.प्र. में सरकारी कर्मचारियों का डीए 4 प्रतिशत बढ़ा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारी-अधिकारियों का 4 प्रतिशत डीए बढ़ा दिया है। इसका फायदा साढ़े सात लाख कर्मचारियों को मिलेगा। ये फैसला जनवरी 2024 से लागू होगा। अब प्रदेश के कर्मचारियों का डीए 46 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इससे उनको हर महीने 620 रुपए से 5640 रुपए का फायदा होगा। वहीं, 10 महीने के एरियर के रूप में 6200 से लेकर 56,400 रुपए तक मिलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को ये घोषणा करते हुए कहा, राज्य सरकार ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है। दीपावली के मौके पर इसकी बधाई डबल हो जाती है। 1 नवंबर मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस भी है। आप सब अपनी लगन, मेहनत, सकारात्मक सोच के कारण पूरे देश के अधिकारियों-कर्मचारियों में विशेष पहचान रखते हैं। इस नाते सरकार का भी उत्तरदायित्व है कि आपके हितों का ध्यान रखें।

नवंबर के वेतन से मिलेगा नकद लाभ- डीए में 4 प्रतिशत की वृद्धि का नकद लाभ कर्मचारियों को नवंबर के वेतन से मिलने लगेगा। दरअसल, दिवाली के कारण कर्मचारियों को अक्टूबर का वेतन जल्दी दिया जा रहा है। इस कारण वेतन के बिल भी जल्दी बनाए गए थे।

सुप्रभात

कभी जो तुम थे अभी वो हम हैं,
न तुम ही कम थे न हम ही कम हैं।
चुरा लो हमसे भले ही नज़रें,
हमें पता है कि आंखें नम हैं।
कहां गई वो वफ़ा की बातें,
तेरे जह्न में क्यूं इतने खम हैं।
मिटा न पाओगे मेरी हस्ती,
की मुझपे उसके बड़े करम हैं।
वो मेरे ग़म में शामिल है हरपल,
मुझे ही सारे क्यूं ये भरम हैं।
बनी हूं जबसे मोहन दिवानी,
मुझे न कोई खुशी, न गम हैं।

\- गार्गी कौशिक

दिवाली दो दिन, गोवर्धन पूजा 2 नवम्बर को ही

भाई दूज 3 नवंबर को मनेगी

उज्जैन (नप्र)। मध्यप्रदेश में ज्योतिषाचार्यों के एकमत नहीं होने के कारण भले ही दिवाली दो दिन 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को मनाई जाएगी लेकिन गोवर्धन पूजा 2 नवंबर को ही होगी। भाई दूज भी एक ही दिन 3 नवंबर को मनाया जाएगा।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. अमर डिब्बावाला ने बताया, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को रमा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस तिथि पर व्रत करने के साथ माता लक्ष्मी की विशिष्ट साधना का आरंभ किया जा सकता है। यह निरंतर 5 दिन चलती है।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की एकादशी सोमवार 28 अक्टूबर को है। तिथि के अनुक्रम में अंतर होने से इसी दिन मध्याह्न में द्वादशी तिथि रहेगी। यह गोवत्स द्वादशी कहलाती है। एकादशी का व्रत और गोवत्स का पूजन भी इसी दिन किया जाएगा।

तिथि के कारण परिवर्तन भी संभव- पं. अमर डिब्बावाला ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि से लेकर अमावस्या तिथि तक पांच पर्व विशेष माने जाते हैं। इनमें रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी, धनवंतरि जयंती (धनतेरस), रूप चौदस और दीपावली शामिल हैं।

31 की सुबह रूप चौदस, शाम को दिवाली

पं. अमर डिब्बेवाला ने कहा कि 31 अक्टूबर की सुबह रूप चौदस, शाम को दिवाली का पर्व काल रहेगा। कुछ पंचांगों में 1 नवंबर को दिवाली दर्शाई गई है। ऐसा स्थान और ज्योतिषीय गणित के अंतर की वजह से है। शास्त्रीय अभिमत की कुल गणना करें तो 31 अक्टूबर को ही दिवाली मनाना शास्त्र सम्मत है। उन्होंने कहा कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और राजस्थान के ज्योतिष विभाग के जानकारों का भी मत 31 अक्टूबर को ही दिवाली मनाने का है।

धनतेरस पर भौम प्रदोष का संयोग

पं. डिब्बेवाला ने बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रदोष इस बार मंगलवार के दिन है, यह भौम प्रदोष के नाम से जानी जाती है। इसी दिन त्रयोदशी का भी प्रभाव रहने से धनवंतरि जयंती (धनतेरस) का त्योहार भी रहेगा। मृत्यु के देवता यम को दीपदान कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तक करने का विधान है। लेकिन एकादशी से अमावस्या तक भी इसे किया जा सकता है। ज्योतिषाचार्य का कहना है कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से पूर्णिमा तक एक महीने लगातार शाम को प्रदोष काल में छत पर दीपक जलाना चाहिए। यह अकाल मृत्यु को टालता है। वहीं, आर्थिक प्रगति के लिए कुबेर और अष्टविध लक्ष्मी की पूजा की जाती है। छत पर अष्टदल बनाकर इसके बीच में तिल के तेल का दीपक लगाकर तीनों का पूजन करना चाहिए।

धनतेरस आज

29 अक्टूबर, मंगलवार को आज धनतेरस है। इस दिन से दीपोत्सव शुरू हो जाएगा। हर तरह की खरीदारी, निवेश और नई शुरुआत के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहेंगे। खरीदारी और निवेश के लिए रहेंगे 2 मुहूर्त, तीन गुना फायदा देने वाला योग भी रहेगा इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है, मान्यता है कि इस योग में किए कामों का 3 गुना फल मिलता है। शाम को धन्वंतरि, कुबेर और लक्ष्मी पूजा होगी। यम के लिए दीपदान भी किया जाएगा। कार्तिक माह (पूर्णिमान्त) की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र-मंन्थन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

मिस इंडिया ने ताज पहनकर किए महाकाल के दर्शन

- **पुजारी बोले- यह मर्यादा का उल्लघंन**
- **निकिता बोलीं- पापा के सामने भी क्राउन पहनकर गई थी**

उज्जैन (नप्र)। फेमिना मिस इंडिया-2024 बनने के बाद पहली बार निकिता अपने घर उज्जैन आई हैं। रविवार को उन्होंने महाकाल मंदिर में दर्शन किए थे। मंदिर में क्राउन पहने रखने पर पुजारी महेश शर्मा ने सवाल खड़े किए। उन्होंने इसे मर्यादा का उल्लंघन बताया है।

ताज पहनकर महाकाल के दर्शन करने पर छिड़े विवाद पर निकिता पोरवाल ने कहा है, मैं अपने पापा के सामने भी क्राउन पहनकर गई थी, उनको बताने कि देखो, जो आपने मुझे बनाया, वो आज मैं हूं। महाकाल के सामने भी बताने गई कि आपकी बेटी कुछ बनकर आई है। सोमवार को निकिता ने अपनी सफाई में कहा, बाबा का आशीर्वाद मुझ पर है। आज वे उज्जैन में अपने स्कूल पहुंचीं। टीचर्स और स्टूडेंट्स से मुलाकात की।

ताज पहनना मर्यादा के खिलाफः महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा का कहना है, भगवान महाकाल के सामने ताज पहनकर जाना मर्यादा के अनुकूल नहीं है। महाकाल मंदिर की एक मर्यादा है, एक प्रोटोकॉल है, एक ड्रेस कोड भी है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 20°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

पीएम जन-मन में 118 पीवीटीजी बहुल गांव बन रहे आदर्श ग्राम

छिंदवाड़ा और डिंडोरी जिले के 7-7 गांव बनेंगे आदर्श ग्राम

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) योजना में प्रदेश में विशेष रूप से कमजोर और पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के समग्र कल्याण के लिये तेजी से काम जारी है। प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियां पीवीटीजी में आती हैं। पीएम जन-मन में इन 24 जिलों के 118 पीवीटीजी बहुल गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिये चुना गया है। चयनित आदर्श ग्रामों में सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणी के अधोसंरचना विकासमूलक कार्यों सहित सभी प्रकार के कल्याण कार्यक्रमों का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। चुने गये 118 आदर्श ग्रामों में से सिवनी जिले का झिंजरई गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित हो चुका है। यहां सरकार द्वारा सभी योजनाओं को शत-प्रतिशत अमल में लाया गया है। योजना में 23 जिलों के 92 आदर्श ग्रामों में अधोसंरचनात्मक विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। 16 जिलों के 48 आदर्श ग्राम में हितग्राहीमूलक काम पूरे होकर लाभार्थियों को दे दिये गये हैं। सात जिलों के 19 आदर्श ग्राम में अधोसंरचनात्मक विकास एवं हितग्राहीमूलक दोनों कार्य पूरे कर लिये गये हैं। पीएम जन-मन योजना में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा कुल 118 पीवीटीजी बहुल गांव को मॉडल विलेज बनाकर इनमें सभी प्रकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन कर यहां आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। योजना में छिंदवाड़ा एवं डिंडोरी जिले में 7-7 एवं कटनी में 6 पीवीटीजी बहुल गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किये जा रहे हैं।

प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार के लिए वायनाड पहुंचीं

भाजपा प्लानिंग के साथ समाज में नफरत-गुस्सा फैला रही

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिन के दौरे पर सोमवार को वायनाड पहुंची। उन्होंने वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए 23 अक्टूबर को नामांकन भरा था। अपने चुनाव प्रचार के पहले दिन उन्होंने वायनाड में रोड शो किया।

प्रियंका ने यहां के नीलगिरी कॉलेज में स्टूडेंट्स से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीनांगड़ी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार ये बात सभी को बता रही हूं कि शादी के बाद मैं दिल्ली में मदर टेरेसा सिस्टर्स में शामिल हुई थी। वहां छोटे बच्चों को अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाती थी। हर मंगलवार को हम लोग बाथरूम की सफाई करते थे, फर्श साफ करते थे, खाना पकाते थे, पेंटिंग सिखाते थे और कभी-कभी घूमने जाते थे। भाजपा प्लानिंग के साथ समाज में नफरत-गुस्सा फैला रही; राहुल गांधी जैसा होना आसान नहीं। प्रियंका ने कहा कि मैं 19 साल की थी, पिता के निधन के 6-7 महीने बाद मदर टेरेसा मां (सोनिया) से मिलने घर आई। उस वक्त मुझे बुखार था।

दीपोत्सव के लिए अयोध्या सजी-संवरी

श्रद्धालुओं ने 70 प्रतिशत होटल बुक किए

अयोध्या (एजेंसी)। दीपोत्सव के लिए रामनगरी अयोध्या में होटलों की एडवांस बुकिंग होने लगी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव को लेकर देश भर के रामभक्तों में विशेष आकर्षण दिख रहा है। होटल कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनके सभी कमरे फुल हो जाएंगे। वहीं चर्चा ये भी है कि अभी से करीब 70 प्रतिशत तक होटल बुक हो गए हैं। अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियां पूरी हो गई है। यह अलग बात है कि अब बड़ी संख्या में होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे के विकल्प हो जाने से बाहर से आने वाले अतिथियों को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। नव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दीपोत्सव पहला अवसर है, जिसे लेकर होटल इंडस्ट्री ने सुखद उम्मीदें संजो रखी हैं। ऐसा इसलिए भी कि रामनवमी और दशहरा पर्व पर उम्मीद के मुताबिक पर्यटक और श्रद्धालुओं का यहां पर ठहराव नहीं हुआ था।

दिवाली तक बना रहेगा उत्साह

खास बात यह है कि दीपोत्सव के लिए 29 और 30 तारीख के लिए तो बुकिंग हो ही रही है। दिवाली के अगले दिन के लिए भी कमरों की काफी डिमांड है। ये वो लोग हैं, जो दीपोत्सव पर आने-जाने में सुरक्षा कारणों से होने वाली रोक-टोक और बंदिशों से बचना चाहते हैं।

70 फीसदी कमरे हुए बुक

होटल और रिजॉर्ट कारोबारी संग्राम सिंह ने बताया कि 29 और 30 तारीख के लिए अभी तक 70 फीसदी कमरे बुक हो चुके हैं। टूर पैकेज के तहत दूसरे राज्यों से समूहों में ज्यादा बुकिंग कराई जा रही है। आने वाले दिनों में उम्मीद है कि जो बचे हुए कमरे हैं, वो भी बुक हो जाएंगे। होटल व्यवसायी के अनुसार 60 फीसदी कमरे बुक हो गए हैं। रामनवमी और दशहरे की अपेक्षा दीपोत्सव पर बेहतर कारोबार के आसार बन रहे हैं।

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर उत्साहित कारोबारी

दीपोत्सव के 10 दिन पहले से जिस तरह एडवांस बुकिंग के रूझान मिल रहे हैं, उससे होटल कारोबारी काफी उत्साहित हैं। दीपोत्सव पर आने के लिए विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं के समूहों की ओर से बड़ी संख्या में कमरों की बुकिंग करवाई जा रही है। होटल व्यवसायी राहुल पाण्डेय और आदित्य सिंह ने बताया कि दीपोत्सव के लिए तेजी से एडवांस बुकिंग हो रही है। उन्होंने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहला दीपोत्सव होने के चलते हर बार की अपेक्षा ज्यादा भीड़ आने की संभावना है। संस्कृति और पर्यटन विभाग की ओर से भी उनके होटल में काफी कमरे लिए जाते हैं, इसलिए उनके लिए भी कमरे रोके गए हैं।

वडोदरा में भारत-स्पेन के पीएम ने किया रोड शो

एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया

● पीएम मोदी बोले- पॉसिबिलिटी को प्रॉस्पैरिटी में बदलने के लिए सही पार्टनरशिप जरूरी ● वडोदरा के लक्ष्मी पैलेस में दोनों पीएम ने व्यापार संबंधित एमओयू पर साइन किए

वडोदरा (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज सोमवार को वडोदरा में हैं। सबसे पहले मोदी और सांचेज ने वडोदरा एयरपोर्ट से टाटा के प्लांट तक करीब पौने तीन किमी का रोड शो किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने सी-295 सैन्य विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरबस की असेंबली यूनिट का उद्घाटन किया।

इसके बाद दोनों पीएम वडोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस पहुंचे, जहां पीएम मोदी ने स्पेन से आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पीएम ने व्यापार संबंधी एमओयू पर साइन किए।

हम सहयोग जारी रखने के लिए तत्पर हैं : पीएम पेड्रो

लक्ष्मी विलास पैलेस में हुई द्विपक्षीय बैठक में स्पेन के प्रधान मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि जलवायु संकट, गरीबी और असमानता के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय लीडर्स के प्रयासों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। इन मुद्दों से निपटने के लिए भारत का प्रभाव और नेतृत्व आवश्यक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी, हम अपने महान सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने वडोदरा में एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया।

हमारी साझेदारी सदियों पुरानी है: पीएम मोदी

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ की यह पहली भारत यात्रा है। नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में आपकी अनुपस्थिति हम सभी को महसूस हुई। भारत में दिवाली के अवसर पर आपका स्वागत करने का अवसर पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं वडोदरा में आपका स्वागत करता हूं, जिसने मुझे पहली बार संसद सदस्य बनाया। बाद में मैं प्रधानमंत्री बना। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आप मेरे गृह नगर गुजरात आए हैं।

छत्तीसगढ़ में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 12 को दिखना बंद

● कांग्रेस ने बताया अंखफोड़वा कांड पार्ट-2; डॉक्टर, स्टाफ नर्स, नेत्र सहायक अधिकारी सस्पेंड

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मोतियाबिंद के गलत ऑपरेशन से 12 आदिवासी बुजुर्गों को दिखना बंद हो गया है। 22 अक्टूबर को दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में 20 लोगों का ऑपरेशन हुआ था। सर्जरी के बाद कुछ लोगों कोआंख में खुजली, दर्द और ना दिखने की शिकायत हुई। मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक, 12 मरीज दंतेवाड़ा से रायपुर रेफर किये गये हैं। सभी मरीजों की स्थिति स्थिर है और संक्रमण नियंत्रण में है लेकिन दृष्टि की संभावना को लेकर फिलहाल बताया जा सकना संभव नहीं है।

रविवार को स्वास्थ्य मंत्री ने मुलाकात की, कार्रवाई भी हुई: दंतेवाड़ा से मरीजों के रेफर होने के बाद रविवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हाल-चाल जाना।

दवाओं से हो सकता इन्फेक्शन: डॉ. राकेश गुप्ता

कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के डॉ. राकेश गुप्ता ने दंतेवाड़ा से आए मरीजों से सोमवार को मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन्फेक्शन दवाओं और हाइजीन की वजह से हो सकता है। इसकी जांच होनी चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं इन्हें उचित इलाज और मुआवजा दिया जाए।

कांग्रेस ने इसे बड़ी लापरवाही बताते हुए अपनी जांच टीम भी गठित कर दी है। कांग्रेस ने इसे अंखफोड़वा कांड पार्ट 2 बताया है। 2011 में भी गलत इलाज से 40 से ज्यादा लोगों की रोशनी चली गई थी।

जिनके कारण कांग्रेस पार्टी की दुर्दशा हुई, उनके इशारों पर टीम बनाना दुर्भाग्य: अजय सिंह

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी पर भाजपा तो तंज कर ही रही है, कांग्रेस के नेता भी अपनी टीम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक अजय सिंह 'राहुल भैया' ने कहा कि जिन नेताओं के कारण एमपी में कांग्रेस का बुरा हाल हुआ, आज भी उनकी चल रही हो तो फिर कोई क्या करें।

भोपाल में अपने सरकारी आवास पर मीडिया से चर्चा में मध्यप्रदेश विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा- जिन नेताओं की वजह से कांग्रेस की दुर्दशा है, उन्हीं लोगों के कहने पर और उनके इशारों पर अगर कार्यकारिणी बनेगी, तो कांग्रेस पार्टी का भगवान ही मालिक है। 20 साल हो गए और उन्हीं लोगों के चलते निर्णय हो रहे हैं, यह कांग्रेस पार्टी का दुर्भाग्य है। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि कार्यकारिणी बनाने में क्या आपकी राय नहीं ली गई? तो अजय सिंह ने कहा जिन्होंने कार्यकारिणी घोषित की, यह उनसे पूछा जाना चाहिए कि सबकी राय ली है या नहीं? लेकिन, जिस तरह से इसका स्वरूप बना है, थोड़ा उचित नहीं है। मैंने तो कह दिया कि जिन लोगों की वजह से और जिन शीर्ष नेताओं की वजह से मध्यप्रदेश में कांग्रेस की बुरी हालत हुई, उनकी यदि आज भी चल रही हो तो फिर क्या करें।

कांग्रेस को बचाने के लिए कमेटी निरस्त होना चाहिए: हाकिम सिंह रघुवंशी- रायसेन जिले की उदयपुरा विधानसभा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके श्रमिक कांग्रेस के अध्यक्ष हाकिम सिंह रघुवंशी ने तो पीसीसी की कार्यकारिणी निरस्त करने की मांग कर दी है। उन्होंने कहा, पीसीसी टीम बनने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बहुत निराशा है। बहुत पक्षपात हुआ है। बहुत गलत लोगों को पदाधिकारी बनाया गया है, जो ऑफिस में चक्कर लगाते हैं, फील्ड में कोई काम नहीं करता। उन्होंने कहा, कांग्रेस को बचाने के लिए यह कमेटी निरस्त होना चाहिए। जिनकी उपेक्षा हुई, जो संघर्ष के समय के साथी हैं, उनको पार्टी में लिया जाना चाहिए। जीतू पटवारी को अंधेरे में रखा गया है। सलाहकारों ने उनको गलत बताया या फिर उन्हें सही बात सुनने का समय नहीं है। यह उनके लिए और कांग्रेस पार्टी के लिए ठीक नहीं हैं।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 3 आतंकी ढेर

सुबह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे ने रोड शो के बाद नामांकन भरा

● बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार का नॉमिनेशन, यहां भतीजे युगेंद्र चुनाव मैदान में उतरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे की कोपरी पाचपाखडी सीट से चुनाव लड़ने के लिए सोमवार सुबह नॉमिनेशन फाइल किया। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने ठाणे में रोड शो भी किया था। डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी सोमवार सुबह बारामती से नामांकन भर दिया है। इसी सीट से अजित के भतीजे युगेंद्र पवार एनसीपी-शरद गुट से उम्मदीवार हैं। युगेंद्र ने भी सोमवार सुबह ही नामांकन भरा। इस दौरान उनके साथ शरद पवार और सुप्रिया सुले भी मौजूद रहीं।

सहारनपुर में युवती से गैंगरेप, दूसरी मंजिल से फेंका

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर में हिंदू युवती से मुस्लिम युवकों ने गैंगरेप किया। आरोप है कि छोटे भाई को किडनैप किया। इसके बाद युवती को बुलाया। उससे बंधक बनाकर रेप किया। फिर तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। इससे युवती की टांग टूट गई। पीड़िता मां के साथ सोमवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। रोते हुए उन्हें पूरी आपबीती बताई। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने मामले में जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

नीतीश कुमार ने सीएम हाउस में की बैठक, हुआ 2025 का फैसला

सीएम नीतीश बोले मंत्री विजेंद्र यादव के कारण 2 बार एनडीएम में गया

पार्टी लाइन से बाहर ना जाएं कार्यकर्ता, उपचुनाव जीतने पर भी हुआ मंथन

पटना (एजेंसी)। बिहार में उपचुनाव की चारों सीटें जीतने के लिए एनडीए ने कमर कस ली है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी लाइन में रहकर काम करने की हिदायत दी गई है। जिला स्तर पर कॉर्डिनेशन कमेटी बनाई जाएगी। जो बूथ लेवल तक के कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल बनाएंगी।

ये फैसले सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर एनडीए नेताओं की बैठक में लिए गए। ढाई घंटे चली मीटिंग के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने मंत्री विजेंद्र यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन्हीं के कहने पर 2 बार एनडीए छोड़कर महागठबंधन में शामिल हुआ।

2025 में 225 सीटें जीतने का टारगेट

उन्होंने आगे कहा कि एनडीए से पहले जो सरकार थी, उनके बारे में भी बताना है कि उस वक्त बिहार में क्या स्थिति थी। 2024 में एनडीए गठबंधन ने 30 लोकसभा सीट जीती हैं। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन 225 सीट जीते यह बैठक में लक्ष्य तय हुआ है।

भस्म आरती के लिए अब लाइन में नहीं लगना पड़ेगा

अब परमिशन बनवाने के लिए रात 10 बजे फॉर्म लेकर अगले दिन जमा करा सकेंगे भक्त

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में भस्म आरती में प्रवेश करने वाले आम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बड़ा बदलाव किया गया है। भस्म आरती में प्रवेश के लिए फॉर्म लेने और जमा करने काउंटर को बदलकर पिनाकी द्वार के पास कर दिया गया है। साथ ही भक्तों की सुविधा को देखते हुए फॉर्म दो दिन पहले रात 10 बजे विंडो से लेकर अगले दिन सुबह 7 बजे के बाद जमा करने की सुविधा दी गई है। इससे आम भक्तों का समय भी बचेगा और उन्हें रात भर लाइन में लगकर फॉर्म लेने की परेशानी से भी निजात मिल सकेगी। महाकाल मंदिर में शनिवार से उन आम भक्तों के लिए नई व्यवस्था शुरू कर दी गई है, जो मंदिर में आकर एक दिन पहले लंबी-लंबी लाइनों में 8 घंटे पहले लगकर भस्म आरती की परमिशन बनवाते थे। नई व्यवस्था के तहत अब भक्तों को दो दिन पहले शक्ति

पथ पर स्थित पिनाकी द्वार के पास से रात 10 बजे से फॉर्म मिलना शुरू होंगे। भक्त फॉर्म अपने साथ ले जाकर अगले दिन सुबह सात बजे काउंटर खुलने के बाद जमा करा सकेंगे। इससे उन आम भक्तों को रात भर जागकर फॉर्म लेने के लिए लाइन में लगाना नहीं पड़ेगा। सोमवार को बाबा महाकाल को राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया।

अब तक ये व्यवस्था थी

महाकाल मंदिर समिति रोजाना 300 लोगों को निःशुल्क भस्म आरती परमिशन देती थी। जिसके लिए भक्तों को एक दिन पहले महाकाल मंदिर प्रशासक कार्यालय के पास बने काउंटर से सुबह 7 बजे फॉर्म का वितरण करता था, जिसके बाद भक्त अपने साथ फॉर्म ले जाते और फिर 3 घंटे बाद वापस लाइन में लगकर भरा हुआ फॉर्म जमा कराते थे।

अब ये करना होगा

अब नई व्यवस्था के तहत दो दिन पहले भक्तों को रात 10 बजे फॉर्म मिलेंगे, इसके बाद अगले दिन सुबह सात बजे के बाद कभी भी आकर वे अपना फॉर्म जमा करा सकेंगे।

ऐसे समझें निःशुल्क भस्म आरती परमिशन लेने की प्रक्रिया

किसी श्रद्धालु को सोमवार अल सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होना है तो उसे शनिवार की रात 10 बजे पिनाकी द्वार के पास बने काउंटर पर पहुंचकर फॉर्म लेना होगा। फिर अगले दिन रविवार सुबह 7 बजे के बाद अपने साथ आए अन्य भक्तों के साथ काउंटर पर लाकर अपना फॉर्म जमा कराना होगा। जिसके बाद उन्हें तुरंत सोमवार की होने वाली भस्म आरती की परमिशन मिल जाएगी।

टू व्हीलर शोरूम के मैनेजर से लूट

चाकू से हमला कर छीना रुपयों से भरा बैग, मुंह पर कपड़ा बांधकर आए थे 4 बदमाश

भोपाल (नप्र)। रविवार रात शहर में बदमाशों ने केंद्रीय जेल रोड स्थित टू व्हीलर शोरूम के मैनेजर के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया है, घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। जब वे करोंद से अपने घर लौट रहे थे, तब ही 4 अनजान लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर आए और गाड़ी को रोककर चाकू से हमला कर मैनेजर का बैग और मोबाइल छीन ले गए। जिसके बाद पीड़ित ने गांधीनगर थाने में इसकी सूचना दी। पुलिस के अनुसार बैग में 3 लाख 1 हजार रुपए रखे हुए थे। घटना की तस्दीक करते हुए 4 अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज कर लिया हैं।

बदमाशों ने चाकू से हमला कर छीना बैग

गांधी नगर पुलिस के अनुसार हिमांशु गुलशानी (37) विजय नगर लालघाटी में रहते हैं। वह करोंद से विजयनगर रोजाना केंद्रीय जेल व एयरपोर्ट रोड से होते हुए जाते हैं। रविवार रात भी वह रोजाना की तरह करीब 9:30 से 10 बजे निकले थे। केन्द्रीय जेल रोड पर ही थे कि पीछे से दो बाइक पर आए चार बदमाशों ने उनकी स्कूटी को रोक लिया, यह सभी मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थे। स्कूटी के रुकते ही बदमाशों ने गुलशानी का बैग छीनने की कोशिश शुरू कर दी। गुलशानी ने विरोध किया तो एक बदमाश ने चाकू निकाल उनके हाथ पर वार कर दिया। चाकू लगते ही बैग उनके हाथ से छूट गया, जिसे लेकर बदमाश भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की तस्दीक करते हुए चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस की एक टीम चौराहा पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हालांकि अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लग सकी है। ऐसे में पुलिस का कहना है कि अब वह साइबर सेल की मदद से आरोपियों तक पहुंचेगी।

वेतनवृद्धि न होने से मप्र के अतिथि विद्वान नाराज

बोले-कैसे मनाएं दिवाली, सरकार पूरा करे वादा

भोपाल (नप्र)। राज्य के कर्मचारियों को 4 प्रतिशत डीए देने पर अतिथि विद्वान नियमतीकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह भदोरिया ने सरकार को अपना वादा याद दिलाया है। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2023 को सीएम हाउस में बुलाई महापंचायत में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों का वेतन 50 हजार रुपए माह करने का वादा किया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री, राज्य के कर्मचारियों को डीए दे रहे हैं, तो हम भी कर्मचारी ही हैं। हमें भी वादे के अनुसार बढ़ा हुआ वेतन दे दें। वे कहते हैं कि वर्तमान स्थिति में हमें अक्टूबर में भी 42000 रुपए ही वेतन मिलेगा। ऐसे में दिवाली कैसे मनाएं? ये वही अतिथि विद्वान हैं जिन्होंने अपनी पूरी उम्र सरकार की सेवा में लगा दी है। 1993 से 2017 तक सरकार ने सहायक प्राध्यापक परीक्षा नहीं कराई और अतिथि विद्वानों की उम्र 50 से 55 साल हो गई। सरकार ने हर विधानसभा चुनाव के पहले घोषणाएं कीं, जो पूरी नहीं हुई। वे कहते हैं कि दिवाली पर कर्मचारियों को बोनस दिया जाता है और अतिथि विद्वानों के पैसे काट लिए जाते हैं। इतना शोषण तो विश्व में कहीं पर भी नहीं देखने को मिलता है जितना मध्य प्रदेश के कॉलेजों में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों का किया जाता है। हमें इसी माह से 50 हजार रुपए वेतन दें।

100 रुपए किलो गेंदा फूल, 70 रुपए की माला

• किसानों की 'हैप्पी दिवाली' आम आदमी की जेब पर भारी
• ऊंचे दाम मिलने से चेहरे खिले, माला भी बनाकर बेच रहे

भोपाल (नप्र)। दिल को खुश करने वाली खुशबू बिखेरने वाले फूल आसपास के उन्नत किसानों के जीवन में आर्थिक उन्नति में मददगार बनेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में आमतौर पर गेंदे के फूलों की खेती की जाती है। दीपोत्सव पर गेंदा फूलों की मांग अधिक रहती है, जिससे किसान को अच्छी आमदनी का मौका मिलता है। क्षेत्र के किसानों ने अपने खेतों के कई हिस्सों में गेंदे के फूल लगा रखे हैं, जो इन दिनों खिलकर मंडी में बिकने के लिए आ रहे हैं। किसानों द्वारा भी इन फूलों की माला बनाकर शहर में दुकान लगाकर बिक्री की जाती है, जिसकी कीमत दीपावली पर 40 से 70 रुपये तक रहती है। अन्य दिन में यह माला 30 से 40 रुपये में ही बिकती है।

दीपोत्सव पर 100 रुपये किलो तक बिक जाते हैं फूल

लुन्हेरा के किसान बाबूलाल मुकाती, मोराड़ के जगदीश चौहान व सुरेश मुवेल ने बताया कि खरीफ मौसम में फूलों की खेती शुरू कर दी थी। प्रतिदिन हमारे द्वारा खेत में इन पौधों की देखरेख की गई। फूल खिलने लगे हैं, जिन्हें तोड़कर मंडी व व्यापारियों को बेच रहे हैं, जिससे अच्छी आमदनी हुई है। दीपावली पर्व पर दुकान लगाकर फूलों की बिक्री करेंगे,

क्योंकि दीपावली के समय इन फूलों से अच्छी आमदनी होती है। नगर के सिंघाना रोड, धार रोड, इंदौर रोड पर फूल माला की कई दुकानें लगती हैं, जहां 40 से 70 रुपये के बीच फूल माला बिकती है। किसानों ने कहा कि ज्यादा फूल आने पर कम भाव और कम फूल आने पर अच्छा भाव मिलता है। दीपावली पर्व पर 100 रुपये किलो तक भी फूल बिकते हैं। आम दिनों में तो इन फूलों के भाव कम रहते हैं। दीपावली पर फूलों से आमदनी अच्छी होती है, इसलिए हमारे द्वारा खेत के कुछ हिस्से में फूल लगाए जाते हैं।

आखिरी की बारिश में नुकसान भी पहुंचाया

पिछले आठ वर्ष से फूल की खेती कर रहे देवरा के एक किसान ने बताया कि वर्षा ऋतु में करीब पांच हजार फूल के पौधे लगाए थे। कड़ी मेहनत के बाद सितंबर-अक्टूबर माह में हुई आफत की वर्षा से पूरे पौधे जलमग्न हो गए थे। इससे 40 प्रतिशत ही पौधे बचे थे। इसमें हमें भारी नुकसानी का सामना करना पड़ा था। परिवार द्वारा बचे हुए पौधों को कड़ी मेहनत कर संभाला है। खाद, पानी के साथ ही दवाई के छिड़काव से फूल के पौधों में सुधार आ गया और अब दीपावली पर्व पर अच्छे उत्पादन के साथ ही परिवार में खुशी की खुशबू बिखेरेंगे।

गुजरात मेट्रो का मॉडल देखकर लौटे भोपाल के अफसर

• अंडरग्राउंड, एलिवेटेड स्टेशन देखे; कंट्रोल रूम से कैसे नजर रखें, ये भी जाना

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों ने अहमदाबाद (गुजरात) में मेट्रो के मॉडल को देखा। अंडरग्राउंड और एलिवेटेड स्टेशनों पर जाकर मेट्रो के संचालन की पूरी प्रोसेस देखी। कंट्रोल रूम से कैसे नजर रख सकते हैं, ये भी जाना। भोपाल और इंदौर मेट्रो में भी यह काम होगा। मप्र मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारी पिछले सप्ताह शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद पहुंचे थे। वे तीन दिन के अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस-एक्सपो में शामिल हुए। इसके साथ ही उन्होंने मेट्रो का काम भी देखा। सोमवार को अधिकारी वापस लौट आएं।

मेट्रो का यह काम देखा

भोपाल के अफसरों ने अहमदाबाद मेट्रो के निर्माणाधीन और बन चुके कई हिस्सों का निरीक्षण किया। इन स्थानों में अहमदाबाद का इंटरचेंज सेक्शन, अंडरग्राउंड और एलिवेटेड स्टेशन शामिल थे। बता दें कि भोपाल में पुल बोगदा पर इंटरचेंज सेक्शन बनना है और राजधानी के अलावा इंदौर में भी कई जगह अंडरग्राउंड सेक्शन का निर्माण होना है। इसलिए यह निरीक्षण अहम माना जा रहा है।

इन अफसरों ने किया निरीक्षण

कॉर्पोरेशन के एमडी एस. कृष्णा चैतन्य, निदेशक शोभित टंडन, अजय गुप्ता, जीएम सिविल अंडरग्राउंड अजय कुमार, जीएम प्रोजेक्ट्स हरिओम शर्मा आदि ने अहमदाबाद में मेट्रो का निरीक्षण किया।

म.प्र.में नए वोटर्स के काम की जानकारी

वोटर लिस्ट में आज से जुड़वा सकेंगे नाम, पता चेंज कराने वालों के लिए भी मौका

भोपाल (एजेंसी)। अगर आपका नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है और आप 18 साल के हो चुके हैं या फिर आपने अपना निवास क्षेत्र बदल दिया है। अगर आपका नाम वोटर लिस्ट से किसी कारण से हट गया है और आप पिछली सूची में नाम नहीं जुड़वा पाए हैं तो आपके लिए यह मौका आ गया है। मंगलवार 29 अक्टूबर से आप अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए कार्यक्रम जारी किया है। इसमें मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़ी गतिविधियों के साथ मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन आगामी 29 अक्टूबर 2024 को किया जाएगा। इसके बाद दावे-आपत्तियां 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक लिए जाएंगे। चुनाव आयोग ने इसके लिए 9 एवं 10 नवम्बर तथा 16 एवं 17 नवम्बर को विशेष कैंप आयोजित करने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए हैं।

अब तक यह काम कर चुके बीएलओ

अब तक आयोग ने जो जिम्मेदारी बीएलओ को सौंपी है, उसके अनुसार आवंटित मतदान केंद्र की सूची में कोई भी ऐसा व्यक्ति सम्मिलित नहीं होना चाहिए, जिसकी मृत्यु 31 जुलाई 2024 के पहले हो चुकी है। एक से अधिक एंट्री, मृत मतदाता और स्थायी तौर पर शिफ्ट हुए वोटर्स के नाम सूची से हटाए गए हैं। सभी लॉजिकल एरर, पते का मानकीकरण, फोटो की क्वालिटी जांचने के साथ ईपीआईसी की सभी विसंगति दूर कर दी गई है। जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हैं, उनकी जानकारी एक अक्टूबर 2024 के आधार पर एकत्र कराई गई है। ऐसे मतदाताओं की जानकारी भी जुटाई गई है जो एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2025 को 18 साल के होंगे और वोट डालने के लिए पात्र हो जाएंगे।

पर्यटन को बूम देने पीएम श्री वायु सेवा की उड़ान होगी शुरू

मध्य प्रदेश में बांधवगढ़, कान्हा और पेंच के लिए मिलेगी पर्यटकों को पीएम श्री वायु सेवा

उमरिया (नप्र)। एयर टैक्सी की यह सेवा उमरिया जिले के बांधवगढ़, मंडला और बालाघाट जिले के कान्हा नेशनल पार्क और सिवनी और छिंदवाड़ा जिले और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित पेंच टाइगर रिजर्व के लिए शुरू होने वाली है।

उमरिया में सुविधाजनक हवाई पट्टी

उमरिया जिले में एयर टैक्सी के लिए सुविधाजनक एयर पट्टी पहले से उपलब्ध है। हालांकि इस एयर पट्टी की मरम्मत का कुछ काम होना है जिसके लिए हाल ही मैं पांच करोड़ से ज्यादा की एक राशि स्वीकृत होने के बाद अस्वीकृत कर दी गई। उमरिया एयर पट्टी का संचालन एक जिनी कंपनी के द्वारा किया जा रहा है और यहां पर्यटकों के हवाई जहद्यज भी उतरते हैं। जबकि पेंच और कान्हा की हवाई पट्टी के निरीक्षण का काम किया जा रहा है।

भोपाल से मिलेगा सीधा कनेक्शन: यह जानकारी भी सामने आ रही है कि तीनों नेशनल पार्कों के बीच उड़ानों का संचालन करने के साथ भोपाल से भी इन उड़ानों का सीधा कनेक्शन होगा। एयर टैक्सी की उड़ानों के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग और उड़ानों का संचालित करने वाली जेट सर्व एविएशन प्रालि फ्लाय ओला कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से इसकी प्लानिंग की जा रही है।

एयर सफारी भी जल्द

उमरिया जिले के बांधवगढ़ में एयर सफारी के लिए उमरिया हवाई पट्टी का संचालन करने वाली निजी कंपनी ने हवाई पट्टी के आसपास अपना प्रचार भ शुरू कर दिया है।

ओपन विमान का इंतजाम किया जाएगा

एयर सफारी के लिए ओपन विमान का इंतजाम किया जाएगा जिसमें सिर्फ दो सवारी ही सवार हो सकेगी। मध्य प्रदेश के तीन नेशनल पार्क के बीच उड़ाने शुरू हो जाने से पर्यटकों को आसान सफर की सुविधा मिल जाएगी। इससे पर्यटन में काफी फायदा होगा और प्रदेश की पहचान बढ़ेगी।

भोपाल में तीन दिवसीय बाइबिल महोत्सव आज से

फादर डिसूजा ने कहा धार्मिक समागम आत्मनिरीक्षण, प्रार्थना और ईश्वर के साथ संवाद का अवसर

भोपाल (नप्र)। अरेरा कॉलोनी स्थित असम्पशन चर्च में कैथोलिक आर्चडायोसिस ऑफ भोपाल द्वारा तीन दिवसीय बाइबिल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव 29 से 31 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शुरू होगा और पूरे दिन चलेगा। कार्यक्रम के दौरान बाइबिल का पठन, प्रवचन, ईश्वर की स्तुति-आराधना, और मिस्सा पूजा आयोजित की जाएगी। महोत्सव के मुख्य उपदेशक फादर बॉबी वी.सी. रहेंगे।

धार्मिक समागम आत्मनिरीक्षण, प्रार्थना और ईश्वर के साथ संवाद का अवसर: आर्चबिशप डॉ. ए. ए. एस. दुरईराज ने सभी खीस्त भाई-बहनों को आमंत्रित करते हुए कहा, यह हमारे जीवन को नवीनीकरण का विशेष अवसर है। पीआरओ फादर अल्फ्रेड डिसूज़ा ने कहा, बाइबिल महोत्सव केवल एक कार्यक्रम

नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को ईश्वर के प्रति समर्पित करने और प्रभु की शिक्षाओं से नई प्रेरणा प्राप्त करने का एक पवित्र अवसर है। आज के व्यस्त जीवन में यह धार्मिक समागम हमें आत्मनिरीक्षण, प्रार्थना और ईश्वर के साथ संवाद का अवसर प्रदान करेगा। इस तीन दिन में हम लोक कल्याण, देश की उन्नति, शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना करेंगे।

संपादकीय

जीतू की टीम को लेकर बवाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा अपनी बहुप्रतीक्षित प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति (पीसीसी) घोषित होने के साथ ही पार्टी में असंतोष के सुर उठने लगे हैं। कार्यकारिणी में शामिल नहीं किए जाने को लेकर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता प्रमोद टंडन ने तो इस्तीफा ही दे दिया है। 10 महीने के इंतजार के बाद घोषित 177 सदस्यीय कार्यकारिणी के पीछे कोशिश यही थी कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को संतुष्ट किया जाए, लेकिन हो उलटा रहा है। कार्यसमिति पर उठे बवाल के बाद अध्यक्ष पटवारी का कहना है कि जो लोग बच गए हैं, उन्हें बाद में 'एडजस्ट' किया जाएगा। नई कार्यकारिणी गठन में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की चली है और पार्टी के बड़े नेताओं में दिग्विजयसिंह के समर्थकों को ज्यादा जगह मिली है। कमलनाथ खेमे को पूरी तरह डाउन कर दिया गया है। उनके बेटे नकुलनाथ को कार्यकारिणी में रखने लायक भी नहीं समझा गया। हालांकि इस बारे में जब जीतू पटवारी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नकुलजी पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति में हैं। जहां तक इस कार्यकारिणी की राजनीतिक उपयोगिता का सवाल है तो इसमें ऐसे नेता उंगलियों पर गिनने लायक ही हैं, जो पार्टी को ठीक से वोट दिलवा सकें। बाकी की हैसियत शोभा की सुपारी की तरह ही है। बहरहाल नई कार्यकारिणी में कुल 17 उपाध्यक्ष, 71 महासचिव, 16 कार्यकारिणी सदस्य, 33 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 40 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए हैं। इनमें से सबसे अधिक 5 उपाध्यक्ष जीतू के गृह क्षेत्र इंदौर संभाग से हैं। इस कार्यसमिति में कुल 71 महासचिव हैं, जो मप्र के कुल 55 जिलों की संख्या से भी डेढ़ गुना हैं। इतने महासचिव पार्टी में क्या करेंगे, कैसे करेंगे और इनमे आपस में तालमेल कैसे रहेगा, यह बड़ा सवाल है। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में दो पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के अलावा दो पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया और अरुण यादव को भी शामिल किया गया है। दिग्विजय के बेटे और विधायक जयवर्द्धन सिंह को उपाध्यक्ष तथा भूरिया के बेटे और विधायक विक्रांत भूरिया को भी महासचिव बनाया गया है। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव के भाई सचिन यादव (कसरावत विधायक) भी कार्यकारिणी में शामिल हैं। इनके अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सांसद विवेक तन्खा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कमलेश्वर पटेल और सीईसी के सदस्य ओमकार मरकाम भी कार्यकारिणी में हैं। कोषाध्यक्ष के पद पर अशोक सिंह बरकरार हैं। अगर संख्या की दृष्टि से देखा जाए तो यह बीते 30 साल में अब तक की सबसे छोटी प्रदेश कार्यकारिणी है। अगर संभागवार प्रतिनिधित्व की बात की जाए तो चूंकि जीतू पटवारी खुद इंदौर संभाग से हैं, इसलिए उसे ही सर्वाधिक नुमाइंदगी मिली है। जीतू पटवारी की टीम में 20 से ज्यादा महिलाओं को भी जगह दी गई है। कार्यकारिणी को लेकर मुस्लिम वर्ग में भी नाराजी है। इस कार्यकारिणी में कुल 6 मुस्लिम नेताओं को जगह मिली है, लेकिन इनमें भी जीतू के गृह जिले इंदौर से कोई नहीं है। इससे खफा राऊ के कांग्रेस नेता अफसर पटेल ने कहा कि जीतू राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में ही पलीता लगा रहे हैं। पटेल ने यह भी कहा कि कांग्रेस को इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। गौरतलब है कि मप्र में मुस्लिम आबादी करीब 7 फीसदी है और मोटे तौर पर यह कांग्रेस का वोट बैंक है। लेकिन प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में सिर्फ 3 फीसदी मुसलमानों को जगह मिली है। इसके पूर्व प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी जनवरी 2023 में तत्कालीन प्रदेशाध्यकक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में बनी थी। उस कार्यकारिणी में भी 50 उपाध्यक्ष, 150 महासचिव और 64 नए जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। यह बात अलग है कि उस कार्यकारिणी के बाद भी विस चुनाव में नतीजा उलटा ही आया था।

नजरिया

चीन से भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

-ललित गर्ग

लेखक स्तंभकार हैं।

भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द्र एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्द्रपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था।

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।

भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द्र एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्द्रपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं।

चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है।

भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। नि:संदेह संबंध सामान्य होने से चीन के आर्थिक हित सधेंगे, लेकिन भारत को अपने आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। क्योंकि भारतीय जमीन पर चीनी सेना के अतिक्रमण की वजह से ही दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तनाव के कारण दूरियां काफी बढ़ गयी थी। इन दूरियों के दंश को मिटाने में समय, समझ एवं सूझबूझ की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी एक परिपक्व राजनेता के रूप में पिछले पांच बरसों से राष्ट्रपति चिनफिंग से इसलिए नहीं मिले कि चीन जब तक अपनी सेना पीछे नहीं करेगा, तब तक दोनों की मुलाकात नहीं हो सकती। कजान में हुई बातचीत में जिस तरह रिश्तों को सामान्य बनाने पर जोर दिया गया है, उसके मद्देनजर भारत का जोर इस बात पर भी रहेगा कि एलएसी के पीछे के इलाकों से दोनों देश अपनी सैन्य तैनाती पूरी तरह खत्म कर दें। दोनों देशों को एलएसी पर पूरी तरह परस्पर भरोसे का माहौल कायम करना होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि देपसांग और डेमचोक पर भी सहमति बनी है। लेकिन भारतीय जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों देशों ने सीमा पर जो 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं, उन्हें कब वापस लाया जाएगा? ताजा घटनाक्रम की सफलता एवं सार्थकता तभी संभव है जब एक दूसरे के प्रति आदर, विश्वास, भरोसा और संवेदनशीलता होगी। रूस के कजान शहर में एक अच्छी शुरुआत जरूर हुई है लेकिन आगे का रास्ता तभी खुलेगा जब कुछ हद तक चीन अपना रवैया बदलेगा।

निर्णय

बाल विवाह पर 'बड़ी अदालत' का फैसला

- हेमलता म्हस्के

लेखिका सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सख्त निर्देश देने से देश में बाल विवाह विरोधी अभियानों में अप्रत्याशित तेजी आने की उम्मीद बढ़ गई है। देश की सैकड़ों स्वयंसेवी संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि बाल विवाह कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने के अदालती निर्देश से देश से 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को पूरी तरह सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह के कारण किसी को भी अपनी मर्जी से जीवन साथी चुनने के अधिकार का पूरी तरह से हनन होता है। बच्चों के इस अधिकार को सुनिश्चित करने में मौजूदा कानून में खामियां हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है। कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह से, खासकर लड़कियों के सामने ज्यादा मुसीबतें आ जाती हैं। शादी के बाद एक नाबालिग लड़की से बच्चों को जन्म देने और प्रजनन क्षमता साबित करने की उम्मीद की जाती है। बच्चे को जन्म देने के निर्णय लड़की से छीन लिए जाते हैं। एक बच्चे के रूप में विवाहित महिला की पसंद और स्वायत्तता का अधिकार बाल विवाह की प्रणाली द्वारा छीना जाता है। बाल विवाह करा कर नाबालिग लड़कियों को वैवाहिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने से वे तनाव झेलने को मजबूर होती हैं।

गैर-सरकारी संगठन 'सेवा' (सेल्फ एम्प्लायड वीमेंस एसोसिएशन) और सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल गोराना की याचिका पर आए इस फैसले का दो सौ से अधिक संस्थाओं के संगठन 'बाल विवाह मुक्त भारत' ने स्वागत किया है। 'बाल विवाह मुक्त भारत' से जुड़ी सोलापुर (महाराष्ट्र) की संस्था 'महात्मा फुले समाज सेवा मंडल' के प्रमोद झिंझड़े के मुताबिक 'बाल विवाह मुक्त भारत' देश के 400 से अधिक जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए सक्रिय है। इस गठबंधन से जुड़ी संस्थाओं ने 2023-24 में पूरे देश में 1,20,000 से भी ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और 50,000 बाल विवाह मुक्त गांव बनाए हैं।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने फैसले में कहा है कि 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए) 2006' के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार व प्रशासन को बचाव-रोकथाम-अभियोजन रणनीति के साथ समुदाय आधारित दृष्टिकोण से काम करने की जरूरत है। अदालत ने स्कूलों, धार्मिक संस्थाओं और पंचायतों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के प्रसार का अहम जरिया बताते हुए बाल विवाह बहुल इलाकों में राज्यों को 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' की अनुशंसा के अनुरूप 'सेक्स एजुकेशन' को स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ने की अनुशंसा की है। इस शिक्षा में लैंगिक समानता, प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारों और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बाल विवाह के प्रभाव के कानूनी पहलुओं के बारे में स्पष्ट जानकारी शामिल होनी चाहिए।

याचिका में कहा गया था कि देश में बाल विवाह की स्थिति गंभीर है और उसके खिलाफ बने कानून पर अमल नहीं करके उसकी मूल भावना से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून तभी सफल हो सकता है जब बहुक्षेत्रीय समन्वय हो। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। हम एक बार फिर समुदाय आधारित दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर देते हैं। बाल विवाह एक ऐसा अपराध है जिसने सारे देश को जकड़ रखा है और इसकी स्पष्ट व्याख्या के लिए सुप्रीम कोर्ट बधाई का पात्र है। साझा प्रयासों से बच्चों के लिए अहितकर बाल विवाह जैसी बुराइयों का पूरी तरह से खात्मा किया जा सकेगा।

अभियान के संस्थापक भुवन ऋभु ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भारत और पूरी दुनिया के लिए नजीर बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला सांस्थानिक संकल्प को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। यह देश से बाल विवाह के समग्र उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग की बाधाओं को दूर करने में बहुत सहायक होगा। सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया है कि उसे बच्चों की परवाह है और अब समय आ गया है कि हम सभी आगे आएं और साथ मिलकर इस सामाजिक अपराध का खात्मा करें। ऋभु ने कहा, 'अगर हम अपने बच्चों की सुरक्षा करने में विफल हैं तो फिर जीवन में कोई भी काम मायने नहीं रखता। सुप्रीम कोर्ट ने एक समग्र दृष्टिकोण को मजबूती से अपनाने की जरूरत बताई है। बाल विवाह अपने मूल रूप में बच्चों से बलात्कार है।'

'बाल विवाह मुक्त भारत' से जुड़े संगठन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक समग्र रणनीति 'पिकेट' पर अमल कर रहे हैं, जिसमें नीति, संस्थान, संम्मिलन, ज्ञान, परिवेश, तकनीक जैसी चीजें शामिल हैं। अभियान के तहत विभिन्न धार्मिक नेताओं और समुदायों के साझा प्रयासों से इस अपराध के खात्मे के लिए 4.90 करोड़ लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलाई है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश में कहा गया है कि सरकारें जिला स्तर पर 'चाइल्ड मैरिज प्रिवेंशन ऑफीसर' नियुक्त करें। इसके लिए कलेक्टर और एसपी भी जवाबदेह होंगे। उनके पास उन सभी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार और जिम्मेदारी होगी जो बाल विवाह करवाने में मदद देते या उसे संपन्न करते हैं। अपने क्षेत्र में बाल विवाह के मामलों में जानबूझकर कर्तव्यों की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए। सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को बाल विवाह रोकने के लिए एक वार्षिक कार्य योजना विकसित करना चाहिए। व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने और बाल विवाह रोकने के लिए राज्य हर 3 महीने में रिपोर्ट अपलोड करें। राज्य के 'महिला एवं बाल विकास विभाग' और गृह मंत्रालय इसकी समीक्षा करें।

अदालत के मुताबिक स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी सामुदायिक सहभागिता तकनीक विकसित की जाए। राज्यों के गृह मंत्रालय स्पेशल जूविनाइल पुलिस यूनिट बनाने पर विचार करें। राज्य 'स्पेशल चाइल्ड मैरिज प्रोहिबिशन यूनिट' बनाएं जिसमें पांच सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें दो महिलाएं जरूर हों, को रखा जाए। मजिस्ट्रेट स्वत: संज्ञान लेकर निर्देश जारी कर सकेंगे। केंद्र राज्य सरकारों के साथ मिलकर ऐसे मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएं। बाल विवाह मुक्त गांवों और ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त सर्टिफिकेट दिया जाए। सामुदायिक नेतृत्व को सक्रिय भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्कूलों सहित धार्मिक संस्थाओं और पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। स्थानीय भाषा में प्रभावी होर्डिंग्स और स्लोगन बनाए जाएं।

स्कूलों, पंचायतों और सभी स्थानीय संस्थाओं को 'चाइल्ड लाइन 1098' और 'महिला हेल्पलाइन 181' की जानकारी दी जाए। बच्चों को बताया जाए कि कैसे मदद ली जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को एक साल बाद स्टेटस रिपोर्ट देने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों, सामाजिक संगठनों की सक्रियता के बीच यह बताना जरूरी है कि 'बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक 2021' को 21 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किया गया था। विधेयक को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी विभागों से संबंधित स्थाई समितियों को जांच के लिए भेजा गया था। विधेयक में संशोधन की मांग की गई थी, ताकि विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों पर प्रभाव को स्पष्ट रूप से बताया जा सके। यह विधेयक संसद के समक्ष अभी भी विचाराधीन है। (सप्रेस)

दीपावली गिफ्ट का गणित

कटाक्ष

-रामविलास जांगिड़

मिठाई किसे दें? सीधी सी बात है, जो लोग जितनी मात्रा में काम आए उसी मात्रा में उसकी मिठाई भेजी जानी चाहिए। स्वार्थी गणित का यही नियम है। जो लोग हर साल हमें मिठाई देते हैं, उनके यहां मिठाई भेजी जाती है, ताकि ये 'मिठाई घुमाओ' योजना वर्षों तक फलती-फूलती रहे। जो लोग हमें मिठाई नहीं देते, उनको हम मिठाई देकर इस गणित को बिगाड़ना नहीं चाहते।

दीपावली का त्योहार आते ही हर किसी के चेहरे पर मिठास और जेब में खलबली सी मचने लगती है। हर किसी को न केवल घर सजाना होता है, बल्कि उपहारों और मिठाइयों का भी हिसाब-किताब करना होता है। हर इंसान की एक आंतरिक सूची तैयार होती है- किसे क्या देना है और क्यों देना है! इस पूरे चक्कर में हम उपहार देने के इस मायावी स्वार्थी गणित के बंधन में ही रहते हैं। मिठाई किसे देनी है और मिठाई किसे नहीं देनी है? यह सवाल स्वार्थी प्रबंधन में माहिर कांटी व्यक्ति को भी गुलांटी खिला देता है। मिठाई किसे दें? सीधी सी बात है, जो लोग जितनी मात्रा में काम आए उसी मात्रा में उसकी

मिठाई भेजी जानी चाहिए। स्वार्थी गणित का यही नियम है। जो लोग हर साल हमें मिठाई देते हैं, उनके यहां मिठाई भेजी जाती है, ताकि ये 'मिठाई घुमाओ' योजना वर्षों तक फलती-फूलती रहे। जो लोग हमें मिठाई नहीं देते, उनको हम मिठाई देकर इस गणित को बिगाड़ना नहीं चाहते। हां, एक खास दांव इस बार भी चल सकते हैं - जिस रिश्तेदार या पड़ोसी की नई नौकरी लगी हो या जिसकी सैलरी में इजाफा हुआ हो, उनके घर मिठाई भेजना समझदारी है। इसी बहाने अगले साल उनसे बड़ा सा बॉक्स मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

गिफ्ट किसे दें। गिफ्ट देने का मकसद होता है लाभ की उगाही। बड़े अधिकारियों या अपने बॉस के लिए तो यह अनिवार्य है। यहां मिठाई की कोई चाल नहीं चलती, इनको गिफ्ट ही चाहिए और वो भी कुछ ऐसा जिसे देखकर लगे कि आप इस नौकरी को एक गंभीर जिम्मेदारी मानते हैं। कोशिश करें कि बॉस को ऐसा गिफ्ट मिले जो बाकियों के मुकाबले अनोखा और आकर्षक हो, ताकि प्रमोशन से लेकर भ्रष्टाचार करने की सीढ़ियों में एक धक्का मिले। अपने स्वार्थ के लिए गणित लगाने का असली मजेदार हिस्सा ही जीवन का किस्सा है। बात यह है कि रिश्तेदारों और दोस्तों में भी एक हिसाब लगाना पड़ता है कि किसे क्या देना है। मामा के बेटे की शादी में बड़ा उपहार नहीं भेजा था, तो इस बार उसी हिसाब से छोटा सा बॉक्स, ताकि पुराना कर्ज चुक जाए। जो लोग हर बार छोटी सी थैली में बर्फी और नमकीन भेजकर बचे रह जाते हैं, उनको इस बार बस कार्ड भेज दीजिए - 'मिठाई पहले ही खा चुके हैं।' इन्हें का दीजिए मिठाइयों में आजकल बहुत मिलावट आ गई है, इसलिए मिठाई नहीं खाना चाहिए।

दूर के दोस्त, जो साल भर में सिर्फ दीपावली के आसपास ही याद आते हैं। यहां भी गणित का एक अलग किस्म का विज्ञान है। यह एक जोरदार कला भी है। दोस्त, जो अक्सर 'भाई बनकर' आपके फोन पर 'खर्चा' बढ़ाते हैं, उनके लिए बस मिठाई का छोटा पैकेट काफी है। वो दोस्त, जो 'काम बनाओ भाई' के फॉर्मूले में फिट बैठते हैं, उनको गिफ्ट के साथ एक अच्छे ब्रांड की मिठाई दे देना चाहिए। सच्ची बात यह है कि गणित के सारे जोड़े, और उपहार की सूची, आपके खुद के स्वार्थ की धुरी पर घूमते हैं। अगर आपका बजट सही है, तो सारे रिश्तेदार, पड़ोसी और दोस्त खुश। वरना उपहारों और मिठाइयों की व्यवस्था ऐसी हो कि आपकी जेब भी खुश रहे और दिखावा भी कायम रहे। आपका अपना स्वार्थ सजा रहे। जिंदगी में बस स्वार्थ का ही मजा रहे।

व्यंग्य

भिया ने ओज रचना से भरी हुंकार

- भूपेन्द्र भारतीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक बार फिर भिया अपने क्षेत्र में हुंकार भरने के लिए तैयार है। वैसे तो भिया आये दिन नये नये विषय को लेकर मीडिया व सोशल मीडिया के सामने अपनी तेजस्वी वाणी से हुंकार भरते रहते हैं। हमारे भिया हरदिल-अजीज जो ठहरे। लेकिन इस बार भिया के अपने मन ने ठाना की वे भी मंच से कवि की तरह हुंकार भरेंगे। मतलब भिया अब साहित्य में भी उतरना चाहते है। बल्कि वे सिर्फ साहित्य में उतरना ही नहीं, इस अखाड़े में कूदना चाहते है। वर्तमान मंचीय कवियों की तरह वे कूद कूदकर ओजस्वी कविता पाठ करना चाहते है। युवा राष्ट्र के प्रेरणास्त्रोत बनना चाहते है।

इसके पीछे भिया का कहना है कि साहित्य व कविता से उनका घनिष्ठ संबंध कक्षा पाँच से है। वो तो यह संबंध लंबा चलता लेकिन भिया का पढ़ाई से संबंध कक्षा पाँच तक ही रहा। वे पाँचवी तक की यात्रा में कितनी ही बार अपने गाँव की पाठशाला में 15 अगस्त व 26 जनवरी के दिन ओजस्वी कविता सुना चुके थे। बचपन में उन्होंने अपनी गली के कुत्तों से लेकर अपने घर की ही पालतू बिल्ली पर सैकड़ों कविताएं बनाई और अपनी कक्षा पाँच तक की यात्रा में कविताएं सुनाया करते थे। बाद में भिया पर अपने क्षेत्र की सेवा का भार व दबाव आ गया। इस भारी दबाव के चलते उन्हें साहित्य की सेवा को छोड़कर क्षेत्र की सेवा में आना पड़ा। वहीं इन दिनों भिया साहित्य के गिरते पड़ते स्तर से चिंतित होकर अब पुन: इस क्षेत्र की भी सेवा करना चाहते है। ऐसे में भिया ने पीछले दिनों एक ओजपूर्ण रचना का सृजन किया या फिर अपने किसी साहित्यिक पंखे से करवाया यह गहन गोपनीय विषय हो सकता है !

इस नयी सेवा से भिया ने अपने विरोधियों को अपनी ओजपूर्ण रचना के माध्यम से घेरने का साहित्यिक फार्मूला निकाला है। भिया मंच पर चढ़ने के लिए पहले से आभ्यासित रहे है। अब कविताओं के वजन से भुजाएं फड़फड़ाने लगी है। वे अपनी ओज रचना से सुस्त पड़े साहित्य संसार में भी हुंकार भरना चाहते है। भिया की रचनाएं अब लोकतंत्र के गलियारों में गुंजायमान होगी। भिया को लगता है कि कालजयी रचना तो उनके यौवनकाल में लिखी जाती थी। अबके सोशल मीडिया साहित्यकार तो फोकट में ही कीबोर्ड पर अपनी ऊंगलियां तोड़ रहे हैं।

उनका मानना है कि अब यह कालजयी कार्य भी उन्हें ही करना पड़ेगा। भिया ने अपनी कुछ गर्मागर्म रचनाओं के अंश अपने सौछल मीडिया खाते पर भी रख दी है। भिया के पंखें रचना को दनादन लाईक व शेयर कर रहे हैं। भिया के क्षेत्र में साहित्य सेवा की नयी लहर चल रही है। क्षेत्र की जनता खुश है। जनता के मन में फिर उम्मीद जाग रही है कि उनका इससे विकास होगा। युवा पीढ़ी साहित्य के माध्यम से रोजगार की आशा लगा रही है ! जनता भिया की इस नयी सेवा के लिए उनका अभिनंदन कर रही है। भिया अपनी ओजपूर्ण रचनाओं से क्षेत्र का चहुंमुखी विकास कर रहे हैं। क्षेत्र में ऐसा कोई मंच नहीं जहां भिया की रचनाएं नहीं पहुंच रही हो। विज्ञापनों में उनके फोटो से बड़ी भिया की ओजपूर्ण रचना चमक रही है। पंखे रचनाओं को क्षेत्र में फैलाने के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं।

मुझे तो लगता है इस बार भिया अपनी इस नयी सेवा के माध्यम से अपने क्षेत्र का पूर्ण विकास करके ही दम लेगें। आखिर साहित्य सेवा भी कोई छोटीमोटी सेवा है ! इस सेवा का हर किसी को कहां अवसर मिलता है। इस सेवा में कितने ही साहित्यकारों ने अपना घर-बार तक बेच दिया, लेकिन इस सेवा के माध्यम से अपने समय व समाज का चहुंमुखी विकास किया है। ऐसे में हमारे भिया पीछे क्यों रहे। आखिर वे तो अपने कक्षा पाँच वाले समय से इस अखाड़े में दम दिखा चुके हैं। वह तो बीच में क्षेत्र की जनता नहीं मानी और उन्हें अपने घर से घसीट कर राजनीति की सेवा में ले गई और इस कालजयी संभावनाओं वाले साहित्यकार को साहित्य की बहुमूल्य सेवा से वंचित कर दिया। अब जब वैसे भी भिया का मार्गदर्शक मंडल में जाने का समय नजदीक का गया है। तो भिया ने अपनी ओज रचनाओं के माध्यम से नयी हुंकार भरने का दृढ़संकल्प कर लिया है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

संस्कृति और भाषा की रक्षा का सकारात्मक कदम

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला-2

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि बांग्लादेशी प्रवासियों के बड़े प्रवाह से असम की संस्कृति का उल्लंघन होता है, जिन्हें नागरिकता प्रदान की जाती है। धारा 6 ए इस हद तक कि यह प्रवाह की अनुमति देता है, असंवैधानिक है। इस तर्क को खारिज करते हुए सीजेआई ने कहा कि मैं इस तर्क को स्वीकार करने में असमर्थ हूं। पहला, संवैधानिक सिद्धांत के रूप में, किसी राज्य में केवल विभिन्न जातीय समूहों की उपस्थिति अनुच्छेद 29 द्वारा गारंटीकृत अधिकार का उल्लंघन करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ताओं के तर्क का आधार यह नहीं है कि असम के लोगों को उनकी संस्कृति के संरक्षण के लिए कदम उठाने से रोका जाता है। तर्क यह भी नहीं है कि राज्य ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रहा, जिससे यूनियन केंद्र संस्कृति के संरक्षण के लिए कदम उठा सकें।

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि बांग्लादेशी प्रवासियों के बड़े प्रवाह से असम की संस्कृति का उल्लंघन होता है, जिन्हें नागरिकता प्रदान की जाती है। धारा 6ए इस हद तक कि यह प्रवाह की अनुमति देता है, असंवैधानिक है। इस तर्क को खारिज करते हुए सीजेआई ने कहा कि मैं इस तर्क को स्वीकार करने में असमर्थ हूँ। पहला, संवैधानिक सिद्धांत के रूप में, किसी राज्य में केवल विभिन्न जातीय समूहों की उपस्थिति अनुच्छेद 29 द्वारा गारंटीकृत अधिकार का उल्लंघन करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अनुच्छेद 29 (1) संरक्षण का अधिकार प्रदान करता है जिसका अर्थ है संस्कृति और भाषा की रक्षा के लिए सकारात्मक कदम उठाने का अधिकार। याचिकाकर्ताओं को यह साबित करना चाहिए कि किसी राज्य में विभिन्न जातीय समूहों की उपस्थिति को बढ़ावा देने वाले कानून का आवश्यक प्रभाव यह है कि कोई अन्य जातीय समूह अपनी संस्कृति या भाषा की रक्षा के लिए कदम उठाने में असमर्थ है। याचिकाकर्ता को यह भी साबित करना चाहिए कि संस्कृति या भाषा के संरक्षण के लिए कदम उठाने में असमर्थता केवल विभिन्न समूहों की उपस्थिति के कारण है।

सीजेआई ने यह भी कहा कि विभिन्न संवैधानिक और विधायी प्रावधान असमिया सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हैं। संविधान असम में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिए कुछ विशेष प्रावधान करता है। संविधान (बाईसवां संशोधन) अधिनियम 1969 में संविधान का अनुच्छेद 244 ए शामिल था। अनुच्छेद 244 ए में कहा गया है कि भारतीय संविधान में कुछ भी होने के बावजूद, संसद कानून द्वारा असम के भीतर एक स्वायत्त राज्य बना सकती है जिसमें पूरी तरह से या सभी या किसी भी आदिवासी क्षेत्र का हिस्सा शामिल हो। अनुच्छेद 371 बी को संविधान में शामिल किया गया था जो असम राज्य के संबंध में एक विशेष प्रावधान प्रदान करता है। संविधान की छठी अनुसूची में अन्य राज्यों के साथ-साथ असम राज्य में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।

असम राज्य के विधानमंडल ने असम राज्य के सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए असमिया को भाषा के रूप में अपनाते हुए असम राजभाषा अधिनियम लागू किया। असम राजभाषा अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि बंगाली भाषा का उपयोग प्रशासनिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ''कछार जिले को जिले के मोहकुमा परिषदों और नगरपालिका बोर्डों तक'' शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, राज्य सरकार के पास अधिसूचना के माध्यम से असम राज्य के ऐसे हिस्सों में भाषा के उपयोग को निर्देशित करने की शक्ति भी है। असम के नागरिकों के सांस्कृतिक और भाषाई हित संवैधानिक और वैधानिक प्रावधानों द्वारा संरक्षित हैं। इस प्रकार, नागरिकता अधिनियम की धारा 6 ए उपरोक्त कारणों से संविधान के अनुच्छेद 29 (1) का उल्लंघन नहीं करती है। धारा 6 ए नागरिकता कानून बंधुत्व का उल्लंघन नहीं करता है। बंधुत्व विभिन्न समूहों के मिश्रण को प्रोत्साहित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तर्क को खारिज कर दिया है कि नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए जिसने 25 मार्च, 1971 से पहले बांग्लादेश से असम आए प्रवासियों को भारतीय नागरिकता लेने की अनुमति दी थी, इस प्रावधान ने बंधुत्व की अवधारणा का उल्लंघन किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत (उनकी ओर से, न्यायमूर्ति सुंदरेश और मनोज मिश्रा) द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया है कि बंधुत्व की व्याख्या इस तरह से नहीं की जा सकती है जो याचिकाकर्ताओं को अपने पड़ोसियों को चुनने की अनुमति देता है। विभिन्न उदाहरणों का उल्लेख करते हुए,

निर्णय में समझाया गया कि बंधुत्व लोगों को उन लोगों के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनके समान नहीं हैं। जैसा कि संविधान की प्रस्तावना में व्यक्त किया गया है, बंधुत्व शब्द सभी भारतीयों के बीच सामूहिक भाईचारे की भावना का प्रतीक है। यह राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में कार्य करता है। समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों को मजबूत करने में बंधुत्व सर्वोपरि महत्व रखता है, जो दोनों प्रस्तावना के अभिन्न पहलू हैं। फैसले में विस्तार से चर्चा की गई कि कैसे डॉ अम्बेडकर ने प्रस्तावना में बंधुत्व की अवधारणा को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ बीआर अम्बेडकर द्वारा संवैधानिक प्रस्तावना में बंधुत्व शब्द की शुरूआत एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के साधन के रूप में इस सिद्धांत का उपयोग करने के एक जानबूझकर इरादे को दर्शाती है। डॉ बीआर अम्बेडकर के बारे में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने लिखा कि जातिगत भेदभाव को खत्म करने की दिशा में अंबेडकर के लगातार प्रयास, व्यक्तियों के बीच भाईचारे के लिए उनकी वकालत समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय चिकित्सा संघ बनाम भारत संघ प्रकरण का उल्लेख करते हुए, निर्णय में कहा गया कि न्यायालय ने बंधुत्व को ''लोगों के परस्पर मिश्रण को प्रोत्साहित करने और विशिष्टता या अंतर्विवाह सामाजिक संरचनाओं को हतोत्साहित करने'' के रूप में समझा। नंदिनी सुंदर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य प्रकरण का भी संदर्भ दिया गया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा की विभिन्न दृष्टिकोण से बंधुत्व की धारणा की जांच करने के बाद, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बंधुत्व का सार, इसलिए, मूल रूप से भारतीयों के बीच परस्पर जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के उत्थान के लिए एक सिद्धांत के रूप में इसकी परिकल्पना की गई थी। बंधुत्व का उपयोग लोगों को मताधिकार से वंचित करने के लिए नहीं किया जा सकता है। न्यायालय ने धारा 6 ए के माध्यम से वैध रूप से नागरिकता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को अवैध ठहराने के लिए एक तर्क के रूप में बंधुत्व का उपयोग करने के याचिकाकर्ताओं के प्रयास को अस्वीकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि वास्तव में, बंधुत्व के बारे में हमारी समझ, यह है कि यह लोगों को उनके समान लोगों के साथ बंधुत्व और आपस में मिलने के लिए प्रोत्साहित करता है, लेकिन मजबूर नहीं करता है। भ्रातृत्व के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को ''जीने और जीने देने'' की आवश्यकता होती है। फैसले में आगे कहा गया कि कई मायनों में, याचिकाकर्ता चाहते हैं कि बंधुत्व की व्याख्या अत्यधिक प्रतिबंधात्मक तरीके से की जाए, जो उन्हें अपने पड़ोसियों को चुनने की अनुमति देता है। यह दृष्टिकोण संविधान सभा द्वारा परिकल्पित और बाद में इस न्यायालय द्वारा व्याख्या किए गए बंधुत्व के विचार और लोकाचार के विपरीत है। इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

संविधान और उदाहरणों का हमारा अध्ययन यह है कि बंधुत्व के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि और सामाजिक परिस्थितियों के लोगों को जीने और जीने देने की आवश्यकता होती है। बंधुत्व का नामकरण स्वयं इस हद तक आत्म-व्याख्यात्मक है कि यह सीमित प्रयोज्यता के विपरीत समावेशिता और एकजुटता की धारणा को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार, इस अवधारणा को नकारात्मक तरीके से लागू करने से बचना अनिवार्य हो जाता है जो इसे एक विशेष वर्ग पर चुनिंदा रूप से लागू करता है, जबकि दूसरे गुट को अवैध अप्रवासी के रूप में लेबल करता है। यह पूरी तरह से धारा 6ए की कथित असंवैधानिकता पर आधारित है। इस संदर्भ में, जब लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित करने या किसी समुदाय की अंतर्विवाह जीवन शैली की रक्षा करने की दुविधा का सामना करना पड़ता है, तो यह न्यायालय निश्चित रूप से बंधुत्व के सिद्धांतों द्वारा पूर्व को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर होगा। इस प्रकार, हमारे सुविचारित विचार में, इस संबंध में याचिकाकर्ताओं की दलीलें खारिज किए जाने के योग्य हैं।''

धनवंतरी जयंती पर विशेष

- अखिलेश श्रीवास्तव

लेखक पत्रकार हैं।

पहला धन निरोगी काया

धनतेरस पर धन की पूजा की परंपरा है, तो भगवान धनवंतरी की पूजा भी है, भगवान धन्वंतरी आयुष्य के देवता है जिससे धनतेरस का संदेश साफ हो जाता है, भारत के समाज जीवन में एक पद या कहावत पुराने समय से चली आ रही है। 'पहला सुख निरोगी काया , दूजा सुख घर में हो माया' वैसे तो पूरी दीवाली, लक्ष्मी पूजा, धन-संपत्ति पूजन के लिए ही है पर इसका शुभारंभ धनतेरस के दिन आरोग्य के दाता भगवान धन्वंतरि की पूजा से होता है। फिर कुबेर की पूजा रूप चौदस, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाई दूज होती है।

हम सब ने इस प्राचीन संदेश को कोरोना काल में गंभीरता से समझ भी लिया है। रोगी हो जाने के बाद धन-संपत्ति कुछ काम नहीं आए। लोग धन दौलत लिए घूमते रहे अस्पतालों में उन्हें जगह नहीं मिली। संदेश साफ है पहला धन निरोगी काया ही है। यदि शरीर स्वस्थ है तो ही आप धन संपत्ति भौतिक सुख सुविधाओं का आनंद उठा सकते हैं। यदि शरीर अस्वस्थ है तो मन को भौतिक संपदाये, आनंद उत्सव सब कुछ रसहीन लगता है। मन बेचैन बना रहता है, मन तभी सुखी रह सकता है, जब तन स्वस्थ हो, पर हम यह भी समझते हैं। शरीर भी तभी स्वस्थ रह सकता है, जब हमारा मन स्वस्थ हो। स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर एक सिक्के के दो पहलू हैं।

मन यदि चिंता ग्रस्त है भय व शोक आशंकाओं से भरा है तो उसका दुष्प्रभाव शरीर पर पड़ता ही है। हमारी जीवनशैली ऐसी हो कि मन को तनाव में ना डालें, क्योंकि शरीर श्रम को तो सहन कर लेता है बल्कि उससे स्वस्थ् बनता है पर तनाव से नाना प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसलिए भारतीय सनातन ज्ञान हमें बताता है कि धन कमाने में हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? किस प्रकार से धन कमाना चाहिए?

आज जिस जीवन शैली को हमने अपना लिया है उससे धन कमाने की अंधी दौड़ प्रारंभ हो गई है । हमने अपनी जरूरतें बहुत बड़ा ली है। जिन वस्तुओं की हमें आवश्यकता नहीं है, दिखावा और एक दूसरे को दिखाने की स्पर्धा ने उन्हें भी प्राप्त करने की आकांक्षा है। जिससे हमारा समय और सुकून दोनों छिन गए है । ऊपर से आकांक्षाओं के पूरा न होने से हीन भावना और प्राप्त कर लेने से मन में घमंड उत्पन्न हो रहा है जो मन की व्याधियां है। क्रोध और व्यग्रता ने धैर्य के लिए स्थान ही नहीं छोड़ा । इन सब बातों का प्रभाव बेचारी काया झेल रही है।

ईश्वर ने जिस काया को हमें आध्यात्मिकता की तरफ ले जाने के लिए दिया है जिससे हम शांति और मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं उसे हमने रोगी बना लिया है,स्वस्थ जीवन शैली और आरोग्य हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अपनी दिनचर्या को ऐसा बनाएं कि कुछ समय शरीर की देखभाल के लिए हो कुछ मन की देखभाल के लिए और कुछ पेट की।

सुबह या शाम तीस चालीस मिनिट टहलने के लिए दिए जा सकते हैं। यदि घूमने जाने के लिए जगह नहीं है तो घर में ही कदम ताल की जा सकती है, कुछ सूक्ष्म व्यायाम किए जा सकते हैं, मन और सांसो को संभालने के लिए प्राणायाम कर सकते हैं, ध्यान कर सकते हैं। आज शरीर पर खाने पीने की वस्तुओं का अत्यधिक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। डब्बा बंद सामग्री यानी पैकेज्ड फूड की सुविधा ने जीवन को संकट में डाल दिया है । जिस प्रकार के रसायनों को प्रिजर्वेटिव्स के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है ,वह भयंकर है। इनसे बचे और प्राकृतिक पैकेज्ड फूड यानी फलों का प्रयोग करें । तीनों सफेद जहर मैदा ,शकर और नमक का उपयोग न्यूनतम करें । मोटे अनाजों के प्रयोग को बढ़ाएं, जैविक उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं । जिस से जैविक खेती को बढ़ावा मिले और जहरीले भोजन से समाज बच सके। जिस तरह से कृषि उत्पादन बढ़ रहे हैं उसने रोग भी बढ़ा दिए हैं। भयंकर रोग गांव - गांव तक पहुंच गए हैं। कुल मिलाकर धन की चाह हमें निर्धनता की ओर ले जा रही है। एक वक्त था अस्पताल और दवा की दुकानें इक्का-दुक्का थी । अब गली-गली जिम खुले हैं तो पग पग पर खाने के रेस्टोरेंट ओर दुकाने ।दुष्परिणाम अस्पताल और दवा की दुकानें भीड़ से पटी पड़ी हैं।

धन कमाना अच्छा है , पर शरीर का ध्यान रखते हुए क्योंकि यही शरीर, धर्म का साधन है। ऋषि मंत्र और उपनिषद बताते हैं 'शरीर माध्यम , खलु धर्मसाधनम्' अर्थात् शरीर ही सभी धर्मों को पूरा करने का साधन है। यानी शरीर को स्वस्थ बनाए रखना जरूरी है। इसी के होने से सभी का होना है। अतः शरीर को निरोगी रखना हमारा दायित्व है। अन्यथा हमारी स्थिति उस कौवे की तरह हो जाएगी जो नदी में तैरती हाथी की लाश पर भोजन के आनंद के लिए बैठ जाता है कुछ दिन तक प्रतिपल आनन्द उठाता है, रोज मांस नोचता है , मीठा पानी पीता है और हाथी पर ही सो जाता है। एक दिन नदी अपने गंतव्य सागर में मिल जाती है और चारों तरफ पानी ही पानी वह भी खारा । अब कौवा उड़कर कहीं नहीं जा सकता और रोते गाते देह त्याग देता है। अपने तात्कालिक सुखों के लिए कहीं हम भी तो अपने जीवन को दांव पर नहीं लगा रहे और रोगों के भंवर सागर की ओर तो नहीं जा रहे। भगवान धन्वंतरि को भगवान विष्णु का अंशावतार माना जाता है। समुद्र मंथन के समय कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि जी हाथों में अमृत कलश लिए प्रकट हुए थे , अमृत हमारे जीवन मैं भी प्रकट हो इसके लिए आवश्यक है हम अपनी दिनचर्या और जीवनशैली को ऐसा बनाएं कि दुष्ट प्रवृत्तियों को हराकर सात्विक जीवन को अपनाएँ जिसमें हमें आयुष्य प्राप्त हो । हमारे जीवन में अमृत छलके, जिससे समाज में आरोग्य का प्रकाश फैले।

आयुर्वेद के जन्मदाता हैं धन्वंतरि

धनतेरस पर विशेष

- योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।

दिवाली से दो दिन पूर्व 'धनतेरस' नामक त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 अक्तूबर को को मनाया जा रहा है। धनतेरस के प्रचलन का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस को चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे।

धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को 'आरोग्य का देवता' माना जाता है और आरोग्य तथा दीर्घायु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो 'यम दीपक' कहलाता है। धार्मिक ग्रंथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, ''महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।''

यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था।

एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करूण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाडू खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

दीप पर्व पर विशेष

-डॉ. सौरभ मालवीय

लेखक जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग लखनऊ विवि में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

दीपावली का सांस्कृतिक, धार्मिक व आर्थिक महत्व

दीपावली अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। दीपावली का अर्थ है- दीपों की पंक्तियां। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों 'दीप' एवं 'आवली' से हुई है। यह त्यौहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। दीपावली एक दिवसीय त्यौहार नहीं है। इसमें कई त्यौहार सम्मिलित हैं, जो एक-दूसरे से संबद्ध हैं जैसे धन त्रयोदशी अर्थात धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज। इसीलिए इसे दीपावली महोत्सव अर्थात दीपोत्सव भी कहा जाता है। यह महोत्सव भारत सहित विश्व के हिंदू बहुल क्षेत्रों में कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से शुक्ल पक्ष की दूज तक हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन धातु की वस्तु क्रय करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन तुलसी या गृह के द्वार पर दीप प्रज्ज्वलित किया जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन यम की पूजा के लिए दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। दीपावली के दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से गृह धन-धान्य एवं समृद्धि से भरा रहता है। गोवर्धन पूजा के दिन लोग गाय एवं बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। इसीलिए इसे गोवर्धन पूजा कहा जाता है। भैया दूज पर बहन अपने भ्राता के माथे पर तिलक लगाकर उसके लिए मंगलकामना करती है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने की परंपरा भी प्राचीन काल से चली आ रही है। माना जाता है कि ऐसा करने से सभी पापों का नाश होता है तथा पुण्य की प्राप्ति होती है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व: दीपावली का संबंध मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से भी है। रामायण के अनुसार दीपावली के दिन श्रीरामचंद्र चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अपने राज्य अयोध्या लौटे थे। उन्होंने लंका नरेश रावण का वध करके अपनी पत्नी सीता को स्वतंत्र करवाया था। उनके परिवारजनों एवं प्रजा के लिए यह दोहरी प्रसन्नता का विषय था। इसलिए उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीप प्रज्ज्वलित करके अपनी प्रसन्नता एवं श्रद्धा व्यक्त की थी। तभी से दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है। महाभारत के अनुसार दीपावली के दिन ही बारह वर्षों के वनवास एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात पांडव हस्तिनापुर वापस आए थे। यह भी मान्यता है कि दीपावली का त्यौहार भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी से संबंधित है। दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव देवताओं एवं राक्षसों द्वारा समुद्र मंथन से पैदा हुई लक्ष्मी के जन्म दिवस से प्रारंभ होता है। समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में देवी लक्ष्मी भी एक थीं। इनका प्रादुर्भाव कार्तिक मास की अमावस्या को हुआ था। उस दिन से कार्तिक की अमावस्या देवी लक्ष्मी के पूजन का त्यौहार बन गई। इसीलिए दीपावली पर देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। दीपावली की रात्रि को देवी लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में भगवान विष्णु का वरण किया था। मान्यता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं। जो लोग इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं, उन पर देवी की विशेष कृपा होती है। इस दिन लोग लक्ष्मी के साथ-साथ शिव-पार्वती पुत्र गणेश, विद्या की देवी सरस्वती एवं धन के देवता कुबेर की भी पूजा-अर्चना करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से धन में वृद्धि होगी तथा उसका सदुपयोग होगा। यह भी मान्यता है कि दीपावली के दिन भगवान विष्णु अपने बैकुंठ धाम में वापस आए थे तथा बैकुंठ में हर्षोल्लास छा गया था। दीपावली का त्यौहार श्रीकृष्ण से भी संबद्ध है। माना जाता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने राजा नरकासुर का वध करके प्रजा को उसके अत्याचारों से मुक्त करवाया था। एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था। यह भी कहा जाता है कि इसी दिन समुद्र मंथन के पश्चात धन्वंतरि प्रकट हुए। वे भगवान विष्णु के चौबीस अवतारों में से एक माने जाते हैं। वे आयुर्वेद के जनक माने जाते हैं।

दीपावली का त्यौहार देशभर में विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा में दीपावली काली पूजा के रूप में मनाई जाती है। इस दिन यहां के हिंदू देवी काली की पूजा-अर्चना करते हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा एवं उत्तर मध्य क्षेत्रों में इसे भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा पर्व माना जाता है। इसलिए यहां गोवर्धन पूजा या अन्नकूट ला विशेष महत्व है। इस दिन श्रीकृष्ण के लिए छप्पन या एक सौ आठ स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। सभी व्यंजन शुद्ध भारतीय होते हैं।

ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्व: दीपावली का ऐतिहासिक महत्व भी उल्लेखनीय है। कई महापुरुषों से भी दीपावली का संबंध है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म एवं महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। उन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय समाधि ली थी। आर्य समाज के संस्थापाक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अवसान लिया था। जैन एवं सिख समुदाय के लोगों के लिए भी दीपावली अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन समाज के लोग दीपावली को महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। जैन धर्म के मतानुसार चौबीसवें तीर्थकर महावीर स्वामी को इस दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन संध्याकाल में उनके प्रथम शिष्य गौतम गणधर को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन धर्म के मतानुसार लक्ष्मी का अर्थ है निर्वाण और सरस्वती का अर्थ है ज्ञान। इसलिए प्रातःकाल जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाया जाता है। सिख समुदाय के लिए दीपावली का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। दीपावली के दिन ही सिखों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। वास्तव में दीपावली एक प्रकार से सामाजिक त्यौहार है, क्योंकि समाज के विभिन्न संप्रदायों के लिए इसका भिन्न-भिन्न महत्व है। जो लोग इस त्यौहार को मनाते हैं, उनके लिए इसका धार्मिक महत्व है। किंतु जो लोग व्यापार आदि से जुड़े हैं, उनके लिए इसका आर्थिक महत्व है।

स्वच्छता एवं साज-सज्जा : दीपावली स्वच्छता एवं साज-सज्जा का भी पर्व है। दीपावली से पूर्व लोग अपने घरों एवं दुकानों आदि की सफाई करते हैं। घरों में मरम्मत एवं रंग आदि का कार्य कराते हैं। दीपावली वर्षा ऋतु के पश्चात आती है। वर्षा ऋतु में घरों में कीड़े-मकौड़े हो जाते हैं। इसलिए भी सफाई अति आवश्यक है। घरों में रंगोली बनाई जाती है तथा दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। घरों व अन्य भवनों को बिजली के रंग-बिरंगे बल्बों की लड़ियों से सजाया जाता है। बच्चे एवं बड़े पटाखे छोड़ते हैं। बहुत से लोग आकाश में कंदील छोड़ते हैं।

आर्थिक महत्व: दीपावली पर खेतों में खड़ी फसल पकनी शुरू होने लगती है, जिसे देखकर किसान प्रसन्न हो उठते हैं। इस दिन व्यापारी अपना पुराना हिसाब निपटाकर नये बही खाते तैयार करते हैं। देशभर में दीपावली पर करोड़ों रुपये का व्यापार होता है। दीपावली से पूर्व बाजार सजने लगते हैं। इस समयावधि में वस्त्र, सौंदर्य प्रसाधन, साज-सज्जा तथा पूजा-अर्चना के सामान से लेकर घर की आवश्यकता का प्रत्येक सामान सर्वाधिक क्रय होता है। इसलिए कम्पनियां सामान क्रय करने पर विशेष छूट देती हैं। इस समयावधि में खाद्य पदार्थों विशेषकर मेवा एवं मिष्ठान की भी बहुत बिक्री होती है। इस समयावधि में रोजगार में वृद्धि हो जाती है। इस समयावधि में पारंपरिक वस्तुओं जैसे मिट्टी के दीपक, मिट्टी के बर्तन, मूर्तियां तथा हस्तशिल्प की वस्तुओं आदि की मांग भी बहुत बढ़ जाती है। इससे इन्हें बनाने वाले कारीगरों को रोजगार उपलब्ध होता है। प्रायः दीपावली पर बिकने वाला सामान महीनों पूर्व बनना प्रारंभ हो जाता है।

उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार भी दीपावली पर लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाती है। विगत दो वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली पर रोजगार मेले का आयोजन कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन्होंने दीपावली पर रोजगार मेले का आयोजन करके 51 हजार युवाओं को राज्य सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों में नियुक्ति दी गई थी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पिछले वर्ष अक्टूबर महीने में ही रोजगार मेले की शुरुआत हुई थी। तब से निरंतर केंद्र और एनडीए शासित, भाजपा शासित राज्यों में रोजगार मेले का आयोजन लगातार किया जा रहा है, बार-बार किया जा रहा है। अब तक लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। इससे पूर्व वर्ष 2022 में उन्होंने दीपावली पर रोजगार मेले का आयोजन करके पहले चरण में 75 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी थी। इन भर्तियों के लिए रक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, डाक विभाग, सीबीआई, कस्टम, बैंकिंग तथा सुरक्षा बलों जैसे विभागों में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। वास्तव में यह रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। आशा है कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा तथा युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

दुख की बात है कि एक ओर जहां दीपावली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं तथा मद्यपान करते हैं। अकसर उनमें आपस में लड़ाई भी हो जाती है। कई बार हत्याएं तक हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त अत्यधिक आतिशबाजी के कारण ध्वनि एवं वायु प्रदूषण हानिकारक स्तर तक पहुंच जाता है। इससे बच्चों, वृद्धों एवं रोगियों को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसलिए दीपावली का पावन पर्व श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया जाना चाहिए।

ग्राहकों के लिए लुभावने ऑफरों की भरमार

सराफा बाजार, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक बाजार में अनेक वैरायटी

धनतेरस को लेकर सजा बाजार

संजय द्विवेदी बैतूल। धनतेरस तथा दीपावली पर्व को लेकर दुकानदारों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेष सजावट से दुकानों को सजाने के कारण पूरा बाजार जगमगा गया है। दुकानदार अपनी-अपनी दुकान के आगे वस्तुओं का डिस्प्ले करने के लिए बडे-बडे टेंट लगाकर सामान रख ग्राहकों को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं। बाजार में भी लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी है। जिसके कारण धनतेरस और दीपावली त्योहार को लेकर हर जगह चहल पहल बढ़ सी गई है। धनतेरस को लेकर सोने-चांदी की दुकानदारों ने भी ग्राहकों की डिमांड तथा लेटेस्ट फैशन को देखते हुए पहले से ही आभूषणों को तैयार कर रखा है। ताकि सामग्री लोगों को देखते ही पसंद जाए और उनकी बिक्री जोरों पर हो।

धनतेरस को लेकर सोने-चांदी के शोरूम भी ग्राहकों के लिए सज कर तैयार हो गए हैं। दुकानदारों द्वारा धनतेरस को लेकर अच्छी खरीददारी के कयास लगाए जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है। हालांकि लोग धनरतेरस पर खरीदारी करना शुभ मानते हैं। ऐसे में धनतेरस पर खरीदारी के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। व्यापारी भी बाजार में ग्राहकों की संख्या को देखकर खरीदारी अच्छी होने की उम्मीद लगा रहे हैं।

सराफा बाजार में अच्छे कारोबार की उम्मीद

भारतीय परंपरा और मान्यताओं के अनुसार धनतेरस को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए सबसे शुभ माना जाता है। ऐसे में सोने के भाव भले ही आसमान छू रहे हो, लेकिन व्यापारी अच्छी बिक्री की उम्मीद लगाए हैं। सराफा व्यापारियों के संघ के नवीन तातेड़ ने बताया कि बाजार में गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों के साथ अलग-अलग आकार के सोने, चांदी के सिक्के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। ज्वेलरी खरीदने के लिए भी लोग धनतेरस का इंतजार करते हैं। डायमंड ज्वेलरी आजकल ज्यादा ट्रेंड में हैं। सोने के भाव ज्यादा है तो हल्के वजन में अच्छी डिजाइनों के आभूषण लोग खरीदकर ले जाते हैं। इसी देखते हुए सराफा बाजार में कारोबारियों ने आकर्षक डिजाइनों के गहनों की खास रेंज तैयार की है।

लुभावने ऑफरों की भरमार

बाजार के हर सेक्टर में ऑफर्स की भरमार है। कहीं कैशबैक है, तो कही छूट दी जा रही है। हर छोटे-बड़े शोरूम से खरीदारी करने वालों को निश्चित उपहार दिये जा रहे हैं। इलेक्ट्रानिक उपकरणों के भी स्टॉल लगाये गये हैं। लोग एक सप्ताह पहले से ही डेमो लेने आ रहे हैं। कम बिजली खपत वाले टीवी, फ्रीज, वाशिंग मशीन, एसी, माइक्रोवेव ओवन, डिशवाशर, म्यूजिक सिस्टम, मोबाइल फोन, लैपटॉप और नये गैजेट्स की डिमांड है। इधर स्ट्रील बर्तनों की भी दुकानें सज गई हैं।

व्यापारियों ने नई डिजाइन के स्टील के बर्तन के साथ गिफ्ट आइटम मंगाए हैं। इस बार महंगाई जरूर है। हालांकि व्यापारियों को इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद है। धनतेरस पर सबसे ज्यादा स्टील, पीतल और कांसे के बर्तनों की बिक्री होती है। ऐसे में सभी दुकानों पर स्टील के बर्तन सज गये हैं। कोठीबाजार और गंज क्षेत्र में कई दुकानों के बाहर ऑफर्स भी टंगे हुए हैं।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में सतपुड़ा वैली स्कूल ने जीते कई शीर्ष पुरस्कार

बैतूल। आईईएस भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सतपुड़ा वैली स्कूल (कैम्ब्रिज) प्री-प्राइमरी और प्राइमरी के छात्रों ने असाधारण प्रदर्शन कर कई पुरस्कार अपने नाम किए। स्कूल के छात्रों ने टीमवर्क और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष सम्मान हासिल किए। प्रतियोगिता में खुश तातेड़, अवनि बिहारे, आर्य अग्रवाल, कनिष्का देशमुख और हर्षवर्द्धन पिल्ले ने बिल्डिंग ब्रिज श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि यूनाइटेड फॉर पीस श्रेणी में देवेशी मालविया, हितिक्षा पटेल, राव्या महाजन, तोशिता चंदेल ने दूसरा स्थान हासिल किया। सस्टेनेबल प्लैनेट में अक्षिता सिंह चौहान, हर्षवर्धन जेधे, बतुल नाज़, अमतुल्लाह नाज़ और आर्या दुबे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉस्मिक कॉउचर में कार्तिक पांडे और देवम गोठी को दो पुरस्कार मिले। इसके अलावा, आदेश सिंह वर्मा, निर्वाण गोठी, गरिमा उबनारे, निकुंज अग्रवाल, उत्कर्ष अग्रवाल, सोहवी चौरसे, टिशान अग्रवाल और चित्रांश पिल्ले को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। मेंटर पुरस्कार में सभी मेंटर्स को उनके मार्गदर्शन के लिए ट्रॉफी दी गई, साथ ही सभी श्रेणियों में भागीदारी हेतु स्कूल को भी दो ट्रॉफी प्रदान की गईं। इस उपलब्धि पर स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा, प्राचार्य जया चक्रवर्ती और मैनेजर शिवशंकर मालवीय सहित समस्त स्टाफ ने छात्रों की इस सफलता पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में आज मनाया जाएगा आयुर्वेद दिवस

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल भारत-भारती जामठी में आज 29 अक्टूबर को धनतेरस आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाएगा। डॉ. संदिप पाल ने बताया कि इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में स्थित धनवन्तरी मंदिर में हवन-पूजन तथा आयुर्वेद को अपनाने शपथ ग्रहण का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष 9वां आयुर्वेद दिवस मनाया जाना है। इस वर्ष 2024 में आयुर्वेद दिवस कि थीम वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार है। जिसके अंतर्गत ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज द्वारा पिछले माह से विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत 26, 27, 28 अक्टूबर को क्रमशः आयुर्वेद के प्रति जनजाग्रति अभियान, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, तथा आयुर्वेद रैली का आयोजन किया गया।

सहायक संचालक रोमित उईके ने जनसंपर्क अधिकारी बैतूल का पदभार ग्रहण किया

बैतूल। जिले में नवनियुक्त सहायक संचालक रोमित उईके ने सोमवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय बैतूल में जनसंपर्क अधिकारी बैतूल का पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व श्री उईके संभागीय जनसंपर्क कार्यालय उज्जैन और नर्मदापुरम में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके है।

दीपावली पर्व पर उपभोक्ता खरीदारी करते समय आवश्यक सावधानी बरतें

- हेल्पलाइन नं. 1915 अथवा 1800114000 पर उपभोक्ता कर सकते हैं शिकायत

बैतूल। नाप-तौल निरीक्षक बैतूल श्री शैलेन्द्र सिंह पंवार ने दीपावली के त्यौहार पर उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से जानकारी देते हुए बताया कि पैकबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय पैकेट पर एम.आर.पी., मैनुफेक्चर डेट, एक्सपायरी डेट, कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर, निर्माता का पूर्ण नाम एवं पता आदि घोषणाएं देखकर ही खरीदी करें। एम.आर.पी. मूल्य अधिक वस्तु का भुगतान ना करें, मिठाई खरीदते समय खाली डब्बे के वजन के बराबर अतिरिक्त मिठाई का वजन कराएं। बर्तन पॉलीथीन सहित ना तुलवायें। उपभोक्ताओं द्वारा किसी भी प्रकार की शिकायत कार्यालय निरीक्षक, नाप-तौल बैतूल, नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन नं. 1915 अथवा 1800114000 पर की जा सकती है।

राजनीतिक दलों और मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक 29 अक्टूबर को

- निर्वाचक नामावली के प्रारूप का होगा प्रकाशन

बैतूल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बैतूल मकसूद अहमद ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन किया जाना है। इस संबंध में 29 अक्टूबर को जिला पंचायत सभाकक्ष बैतूल में प्रातः 11 बजे राजनैतिक दलों और मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अहमद ने सभी राजनैतिक दलों और मीडिया प्रतिनिधियों को निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 29 अक्टूबर को ली जाएगी शपथ

बैतूल। अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव ने बताया कि 29 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ।

आरएसएस का निकला पथ संचलन

शाहपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा नगर में संघ गीत गाते हुए पथ संचलन निकाला गया। नगर के बाबा मनसुख दास मंदिर के प्रांगण पर एकत्रित स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन और जोश के साथ संचलन किया, जिसका नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस पथ संचलन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और नगरवासी शामिल हुए। संघ का घोष (बैंड) इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। स्वयंसेवकों को बताया गया कि यह संगठन भारतीय संस्कृति और नागरिक समाज के मूल्यों को बनाए रखने व आदर्शों को बढ़ावा देता है। बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को मजबूत करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा का प्रचार करता है। इसका ध्येय मातृभूमि के लिए निःस्वार्थ सेवा भाव से कार्य करना है। प्रार्थना व भगवा ध्वज प्रणाम के बाद कदम-कदम मिलाकर बैंड बाजा की धुन में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन बाबा मनसुख दास मंदिर से प्रारंभ होकर, खेड़ापति माता मंदिर के सामने से पुराना बस स्टैंड, बड़ चौक, दुर्गा चौक, श्रीराम मंदिर होते हुए शक्ति चौक, ठाकुर मोहल्ला होते हुए नया बस स्टैंड होकर पुनः बाबा मनसुख दास मंदिर में पथ संचलन का समापन किया गया। पथ संचलन में नगर भ्रमण करते हुए सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के पुलिस बल भी तैनात रहा। पथ संचलन के दौरान पुलिस बल साथ-साथ मौजूद रहा।

यातायात कार्यालय में स्वच्छता एवं ट्रैफिक के लिए किया जागरूक

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के परिपालन में यह दीवाली माय भारत वाली एवं स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के अंतर्गत रैली एवं यातायात कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल प्रसाद साहू की निर्देशन में आयोजित किया गया। साथ ही यातायात कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया और कारगिल चौक पर नाटक के माध्यम से यातायात के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। इस मौके पर विशेष रूप से गजेन्द्र ट्राफिक इन्चार्ज, हिरालाल घुर्वे उप नरीक्षक,व्यापारी संघ के जिला अध्यक्ष मनोज भार्गव, सुशील उदयपुरे स्टेनो पुलिस अधीक्षक माय भारत से धनंजय सिंह ठाकुर, रामनारायण शुक्ला मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम दलनायक आयुष घिंडोडे एवं दलनायक अंजली नागोरे के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में इस्त्याक अली, नीतिन पवार, दयाराम चिचाम, विशाल अमरूते, आयुष नागोरे अरविन्द गजाम, अजय धुर्वे, अनुज धुर्वे, रिना उइके, पार्थ पिम्पलापुरे, शिवानी भोरसे अमित ईडपाचे संजना आहके, अंजली उइके, रमेलती आहके, खुशी पारखे, सोनाली साहू कविता वरकडे, आयुष नागोरे,कशिश शेषकर, सुलोचना नर्रे, मनीषा पदाम आदि का सराहनीय योगदान रहा।

विज्ञान प्रतियोगिता प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दी बधाई

शाहपुर। शासकीय मॉडल स्कूल में शालेय साहित्यिक सांस्कृतिक विज्ञान क्रीड़ा प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान कन्या उच्चतर शाला शाहपुर की छात्राओं ने हासिल किया।

पायल प्रजापति एवं शीतल प्रजापति ने मिलकर बहुत सुंदर जादू नहीं विज्ञान है, यह के अंतर्गत सुंदर नाटकीय प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

जिससे प्रभावित होकर उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। सहयोगी साथी दिव्या उईके, तासु चौरे को भी प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शाला के प्राचार्य वीके नामदेव, प्रभारी शिक्षिका प्रीति बडौदे, सुनीता धोटे मैडम ने इन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। जिला स्तर पर इसी विज्ञान प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी में जिला स्तर पर भी प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

कोई भी पात्र आयुष्मान कार्ड के लाभ से वंचित न रहे : कलेक्टर

बैतूल। जिले में कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड के लाभ से वंचित न रहे। पात्र व्यक्तियों का प्राथमिकता से आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क स्वास्थ्य उपचार का लाभ मिल सकें। यह निर्देश बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि कैंप लगाकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में विभिन्न निर्माण विभागों के अंतर्गत प्रगतिरत विकास कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि विकास कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण रूप से शीघ्र पूर्ण कराएं। स्वीकृत निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने शिक्षा विभाग को जिले में स्कूल भवनों का निरीक्षण कर जर्जर भवनों को डिस्मेंटल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरम्मत योग्य स्कूल

निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण रूप से समय सीमा में पूर्ण कराएं

भवनों की मरम्मत कराएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन किया जाए। राज्य शासन के निर्देशानुसार गर्भवती माताओं और बच्चों को पोषण आहार का वितरण कराएं। कुपोषित बच्चों की निरंतर स्वास्थ्य संबंधी जांच की जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नल जल योजनाओं के कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधी ठेकेदारों द्वारा सड़क रेस्टोरेशन का कार्य भी समय पर किया जाए। पीएचई के अधिकारी इसकी सतत निगरानी करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिले में खाद, बीज की उपलब्धता एवं वितरण की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में खाद का डबल लॉक और सिंगल लॉक से सुचारू वितरण किया जाए।

किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। राजस्व विभाग अंतर्गत नामांतरण, बटवारा,सीमांकन आदि के लंबित प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि लंबित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। 6 माह से अधिक के कोई भी राजस्व प्रकरण लंबित न रहें। राजस्व न्यायालयों का सुचारू रूप से संचालन किया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अंतर्गत शेष हितग्राहियों के ईकेवाईसी शीघ्र की जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाए। 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी त्वरित निराकरण करें। उन्होंने समय सीमा के प्रकरणों के भी शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

आज धनतेरस पर 81 लाख किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपये सम्मान निधि ट्रांसफर करेंगे पीएम मोदी

- राजधानी दिल्ली से वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम
- नियुक्ति-पत्र का वितरण भी करेंगे मोदी

भोपाल (नप्र)। दीपावली के पहले सरकार किसानों को बड़ा उपहार देने जा रही है। 29 अक्टूबर को 81 लाख किसानों के खाते में एक हजार 624 करोड़ रुपये किसान सम्मन निधि डाली जाएगी। मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंगल क्लिक से वर्चुअल यह राशि डालेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नीमच, मंदसौर और सिवनी में चिकित्सा महाविद्यालयों का वर्चुअल लोकार्पण भी करेंगे। वह मप्र लोक सेवा आयोग से चयनित 512 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति-पत्र का वितरण भी करेंगे। बकौल सीएम, कभी बीमारू राज्य कहलाने वाला मध्य प्रदेश आज विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो चुका है। आज मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की गति तीव्र हो गई है। सुशासन के साथ औद्योगिक क्षेत्र, शिक्षा, उच्च शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि और स्व-रोजगार सहित अन्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सतना में सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

इससे पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सतना के सतना के सरस्वती विद्यापीठ में, तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भोपाल के चूनाभट्टी में सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने त्योहारों के समय में 'वोकल फार लोकल' के मंत्र का अनुसरण करते हुए देशवासियों से स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को चूनाभट्टी में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती और 15 नवंबर को आदिवासी महापुरुष बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती उल्लास के साथ मनाने का आह्वान किया है। मध्य प्रदेश में भी भाजपा सरकार दोनों महापुरुषों की जयंती धूमधाम से मनाएगी। सरदार पटेल और बिरसा मुंडा ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। 28 अक्टूबर को वर्ल्ड एनिमेशन डे मनाया जाएगा। इस संदर्भ में विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि एनिमेशन की दुनिया में भारत का वर्चस्व बढ़ रहा है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रॉले ने टक्कर मारी, दो बार पलटी बस

- बागेश्वर धाम के पास हादसा, बच्चे की मौत
- सागर में ट्रक में घुसी कार, दंपत्ति की गई जान

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में टायर फटने से बेकाबू ट्रॉले ने बस को टक्कर मार दी। बस दो बार पलटकर सड़क से उतरी और गड्ढे में जा गिरी। हादसे में 13 साल के बच्चे की मौत हो गई जबकि 19 यात्री घायल हो गए। तीन की हालत गंभीर है, जिन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है। हादसा बमीठा थाना इलाके की बागेश्वर चौकी क्षेत्र में रविवार देर रात करीब 11:45 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे बाइक सवारों ने बस को पलटते देखा और गश्त कर रहे पुलिस (सब डिविजनल पुलिस ऑफिसर) को सूचना दी। घायलों को निकालकर (नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) की एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। खजुराहो एसडीओपी सलिल शर्मा ने बताया, हम रविवार रात गश्त पर थे। बागेश्वर धाम चौराहा के पास 2 लोगों ने आवाज लगाकर बताया कि ट्रॉले ने रीवा से ग्वालियर जा रही बस को टक्कर मार दी है। मैंने ड्राइवर और दो लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल भिजवाया। हादसे में 13 साल के समर (13) पिता दिनेश राठौर की मौत हो गई।

बस के नीचे दबा 13 साल का बच्चा: प्रत्यक्षदर्शी रामेश्वर पटेल ने कहा, हम दो लोग बाइक से बागेश्वर धाम से गंज जा रहे थे। 100 मीटर दूर पहुंचे थे, देखा कि ट्रॉले का टायर फटा और वह बस से टकरा गया। बस गड्ढे में पलट गई। हमने पुलिस की गाड़ी को देखकर उन्हें सूचना दी। एक बच्चा बस के नीचे दबा हुआ था। पुलिस और ग्रामीणों ने घायलों को बस से निकाला और एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

समर, मृतक

3 गंभीर घायल ग्वालियर रेफर

डॉ. रोशन द्विवेदी ने बताया कि रात में 20 लोग जिला अस्पताल लाए गए थे। इनमें से तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक इलाज देकर ग्वालियर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया है। हादसे में एक बच्चे की मौत हुई है।

दिवाली पर घर जा रहा था समर

पुलिस ने बताया कि भिंड निवासी समर अपने पिता के साथ बस में पीछे की सीट पर बैठा था। दोनों रीवा से ग्वालियर जा रहे थे। दिनेश के दो बेटे हैं। समर छोटा था। इसी साल रीवा के सैनिक स्कूल में सिलेक्ट होकर कक्षा 6वीं में पढ़ रहा था। दिवाली की छुट्टियों में पिता के साथ घर जा रहा था।

बेटे ने फोन किया था-पापा मुझे लेने आ जाओ: हादसे में बेटे को खोने वाले दिनेश राठौर ने सिसकते हुए कहा- बेटा रीवा के सैनिक स्कूल में पढ़ता था। दो दिन पहले उसने फोन किया कि दीपावली की छुट्टियां हैं, पापा मुझे लेने आ जाओ। मैं बेटे को लेकर बस से आ रहा था। तभी छतरपुर के बागेश्वर धाम के पास एक्सीडेंट हो गया। हादसे के बाद लोग चिल्ला रहे थे। मैं अपने बेटे को इधर-उधर ढूंढ रहा था। वह बस के नीचे दबा दिखा। मैंने लोगों से मदद के लिए कहा। चिल्लाया कि मेरे बेटे को निकालो, लेकिन किसी ने नहीं सुनी।

ये छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती

1. आइबिल पसना पिता अलेक्जेंडर, 49, पन्ना
2. नीरज सिंह गुर्जर पिता सियाराम, 41, पन्ना
3. राकेश पिता लालमन, 30, रीवा
4. रामदीन शर्मा पिता रामगोपाल, 55, खुरदई
5. आकाश पिता मनीष जगत, 22, चिनैनी
6. सुमित पिता शंकर सेन, 30, सतना
7. मोहम्मद याकूब पिता इमाम, 45, बक्सवाह, छतरपुर
8. बंसराज आदिवासी पिता सम्पत, 55, सतना
9. संजय, 45
10. सुजीत पिता राजकुमार, 31
11. राजकुमार, 59
12. पंकज, 50
13. प्रमोद पिता मुरलीधर, 42
14. सुधीर सिंह पिता रामबीर, 28
15. राजकली आदिवासी पति मनसुख, 50
16. अंजू आदिवासी पति रामबली, 42

ये तीन ग्वालियर रेफर

1. माताप्रसाद गौतम पिता बांकेलाल, 47, हाथरस (उत्तर प्रदेश)
2. ललित कुमार गौतम पिता रामदीन, 45, हाथरस (उत्तर प्रदेश)
3. गंगाराम पिता हरिराम, 30, बबीना (उत्तर प्रदेश)

ट्रक में घुसी कार; पति-पत्नी की मौत?, बेटा गंभीर: सागर के देवरी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 44 पर सोमवार सुबह करीब 5 बजे तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार सवार श्यामलाल ठाकुर (55) और उनकी पत्नी मुन्नी बाई (50) की मौत हो गई जबकि बेटा कन्हैया गंभीर है। उसे देवरी अस्पताल में प्रारंभिक इलाज के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

भोपाल में 1600 किलो मावे की खेप पकड़ाई

चैकिंग के दौरान बस की डिक्की में रखा मिला; जांच के लिए सैंपल भेजे

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में 1600 किलो मावे की खेप पकड़ाई है। मावा आईएसबीटी पर खड़ी एक बस की डिक्की में रखा मिला। सोमवार सुबह बसों की चैकिंग के दौरान यह कार्रवाई की गई। खराब या अमानक होने की आशंका के चलते मावे के सैंपल लैब में जांच के लिए भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है। बस क्रमांक एमपी-07 पी 2123 की डिक्की में मावे की 40 डलिया रखी हुई मिली। बस ग्वालियर से भोपाल आई थी।

बसों की चैकिंग कर रही थी टीम

दिवाली पर भोपाल में अमानक या खराब मावे की सप्लाई होती है। हर साल कई मामले सामने आते हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग अलर्ट मोड पर रहता है। इस बार भी लगातार चैकिंग और जांच की जा रही है। सोमवार सुबह भी टीम बसों की चैकिंग कर रही थी। तभी इतनी बड़ी मात्रा में मावा रखा मिला। सीनियर फूड इंस्पेक्टर देवेंद्र वर्मा ने बताया, मावे की सैंपलिंग की गई हैं। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा है।

मौके पर नहीं मिला मावे का मालिक

कार्रवाई के दौरान मौके पर मावे का कोई मालिक नहीं पाया गया। अधिकारियों का कहना है कि, यह मावा किसका है, यह पता लगाया जा रहा है।

5 दिन पहले जब्त किया था 900 किलो मावा

इससे पहले 24 अक्टूबर को बजरिया पुलिस ने आगरा से भोपाल आया 9 क्विंटल मावा जब्त किया था। मावा भोपाल रेलवे स्टेशन के बाहर एक लोडिंग गाड़ी में रखा था, जिसकी शहर में डिलीवरी होना थी। आगे की जांच के लिए यह मामला खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को हैंड ओवर कर दिया गया था।

त्योहारों पर मावा-पनीर की बढ़ जाती है खपत

त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में भोपाल में मावा और पनीर की खपत बढ़ जाती है। इस वजह से ग्वालियर, भिंड, मुरैना समेत कई जिलों से मावा भोपाल आता है। कई बार अमानक मावा की खपत भी होती है। जिस वजह से खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम कार्रवाई में जुटी रहती है। प्रदेश के बाहर से भी मावा आता है। सोमवार को मावा ग्वालियर से यहां लाया गया।

प्रदेश के नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र के विकास के लिये 390 योजनाओं को स्वीकृति

अमृत 2.0 में स्वीकृत योजनाओं पर खर्च होंगे 118 करोड़ रूपये

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरों में पार्क और हरित क्षेत्र के विकास के लिये अमृत 2.0 मिशन में 390 योजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं पर 118 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप एवं नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सतत विकास के कार्य किये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि शहरों में पर्यावरण-संरक्षण के उद्देश्य से अमृत 2.0 मिशन के तहत पार्क और उससे जुड़े सभी कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरे कराये जायेंगे। इन योजनाओं का उद्देश्य शहरी इलाकों में हरित स्थानों का विकास करना, स्थानीय समुदायों को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराना है। इन योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। साथ ही पार्कों में बच्चों के खेलने के स्थान, बुजुर्गों के लिए विश्राम स्थल, वॉकिंग ट्रैक, और योग के लिये क्षेत्र विकसित किये जा रहे हैं। इन क्षेत्रों के विकास में पार्कों में लाइटिंग, जल-संरक्षण, और पौध-रोपण के प्रावधान भी किए जा रहे हैं। इन पार्कों को ऊर्जा-सक्षम और पर्यावरण अनुकूल भी बनाया जा रहा है। स्वीकृत योजनाओं में से 41 योजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए हरित क्षेत्र के विकास में स्थानीय पौधों एवं छायादार पौध-रोपण पर जोर दिया जा रहा है।

चयनित स्थलों पर सामुहिक जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये लोक चित्रकला से पार्कों की दीवारों में चित्र बनाकर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। अमृत 2.0 के माध्यम से विकसित किये जा रहे पार्क में मनोरंजन और स्वास्थ्य सुविधाएं प्राथमिकता के साथ प्रदान की जा रही हैं।

एमपी में अब दिन का टेम्प्रेचर 3 डिग्री लुढ़का

अक्टूबर के आखिरी दिनों में पूर्वी हिस्से में गरज-चमक; नवंबर से बढ़ेगी सर्दी

भोपाल (नप्र)। अक्टूबर के आखिरी दिनों में मध्यप्रदेश में मौसम के 3 रंग देखने को मिल रहे हैं। साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से पिछले 24 घंटे के दौरान कई जिलों में बादल छाए रहे। वहीं, सिंगरौली और अनूपपुर में हल्की बारिश भी हुई। सिंगरौली शहर में 6 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पूर्वी हिस्से जैसे- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के कुछ जिलों में भी गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम संभाग में दिन में गर्मी का असर बना रहेगा जबकि ग्वालियर-चंबल संभाग में रात के समय ठंड का असर ज्यादा रहेगा। नवंबर से सभी जिलों में सर्दी बढ़ने लगेगी। अभी प्रदेश में रात के समय सर्दी का असर है जबकि दिन में तेज धूप निकल रही है। हालांकि, रविवार को कई जिले ऐसे रहे, जहां दिन का तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। ज्यादातर जिलों में पारा 32 डिग्री से नीचे ही रहा। इनमें बैतूल, खंडवा, खरगोन, पचमढ़ी, रायसेन, शिवपुरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सिवनी, सीधी, उमरिया और मलाजखंड शामिल हैं। सबसे ठंडा पचमढ़ी रहा। यहां अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसलिए पूर्वी हिस्से में बदला रहेगा मौसम: मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। जिसका असर मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में देखने को मिलेगा। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। दूसरी ओर, बाकी जिलों में मौसम साफ रहेगा। इस वजह से धूप खिलेगी।

दिवाली, छठ-पूजा पर ट्रेनों में खचाखच भीड़

गेट पर लटककर और टॉयलेट में बैठकर सफर करने को मजबूर यात्री, स्लीपर की हालत जनरल-कोच जैसी

भोपाल (नप्र)। दिवाली और छठ के चलते लोगों में अपने घर पहुंचने की होड़ मची हुई है। मुंबई, पुणे, सूरत समेत कई शहरों से यूपी, बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ उमड़ रही है। यात्रियों की रेलवे स्टेशन पर भीड़ देखते ही बन रही है। हालात ये हैं कि अपने घर, शहर तक जाने की फिराक में यात्री देर रात तक ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं। ट्रेनों भी खचाखच चल रही है। स्लीपर कोचों की हालत जनरल कोचों की तरह है। जनरल कोचों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। कोई यात्री गेट पर लटककर तो कोई ट्रेन के टॉयलेट में बैठकर तो कोई जनरल कोचों में कपड़े का झूला बनाकर 1500, 2000 किमी की यात्रा कर रहे हैं।

गेट पर लटककर यात्रा कर रहे लोग

मीडिया सूत्रों के अनुसार हरदा से नर्मदापुरम की ट्रेन यात्रा झेलम एक्सप्रेस से की। पहले जनरल कोच में बैठने की कोशिश की, लेकिन गेट पर ही इतने यात्री लटक रहे थे कि अंदर घुस नहीं सकें। जनरल कोच की टॉयलेट के अंदर एक साथ तीन यात्री बैठे दिखाई दिए। जो बैठकर सफर कर रहे थे। कैमरा चालू होते ही मजबूर यात्री शर्म के कारण अपना मुंह छिपाते रहे। गेट पर खड़े यात्री धर्मेंद्र हरियाले ने कहा पुणे से भोपाल जा रहा हूं। रिजर्वेशन कंफर्म टिकट नहीं मिला। जिस कारण जनरल कोच में बैठा। भीड़ होने से पुणे से गेट के पास ही खड़े होकर सफर कर रहा हूं। मथुरा निवासी यात्री ऋषभ ने कहा दिवाली मनाने घर जा रहा हूं। कंफर्म टिकट न होने से जनरल टिकट लेकर बैठा हूं। टीटी से सीट मांग रहे। चार्ज भी देने को तैयार हूं। लेकिन सीट अवेलेबल नहीं हो पा रही। इसके बाद हम स्लीपर कोच में पहुंचे। गेट पर जनरल कोच जैसे ही हालात थे। अंदर घुसने के लिए भारी मशक्कत करना पड़ा।

घर जा रहे फौजी ने नीचे बैठकर बिताई रात

स्लीपर एस-1 कोच में सफर कर रहे यात्री पंकज कुमार ने बताया मैं फौजी हूं। छुट्टी मिलने पर अपने घर जा रहा हूं। रिजर्वेशन कराया, लेकिन टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। घर जाना भी जरूरी है, इसलिए स्लीपर कोच में सीट के नीचे ही बैठकर रात बिताई है। इटारसी में कोच में कंफर्म सीट पर सफर कर रहे दूसरे फौजी भाई ने उनकी सीट पर मुझे जगह देकर बैठाया है।

किन्नरों की दादागिरी, अभद्रता और मारपीट कर रहे

पुणे से जम्मूतवी जाने वाली झेलम एक्सप्रेस के जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों ने कहा ट्रेन में भीड़ में यात्रा तो हम कर ही रहे है। लेकिन यहां किन्नरों की दादागिरी है। जो भीड़ में आकर हमने जबरदस्ती रुपए मांग रहे। 50,100,200 रुपए तक मांगे जा रहे। नहीं देने पर अभद्रता, मारपीट तक कर रहे। हरदा इटारसी के बीच में कुछ किन्नर आएं। एक किन्नर ने हमारे एक साथी को थप्पड़ तक मारा। भीड़ में सभी के सामने अश्लील गालियां और एक किन्नर ने अपने आधे कपड़े तक उतार दिए थे। आरपीएफ और जीआरपी कहीं भी किन्नरों को पकड़ने नहीं पहुंच रही है।

150 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें फिर भी भीड़ उमड़ रही

इस साल दिवाली और छठ पूजा के लिए भारतीय रेलवे पुणे, मुंबई, गुजरात से बिहार जाने वाली 150 से ज्यादा ट्रेनें चला रहा है। बावजूद ट्रेनों में भीड़ कम नहीं हो रही। नो रूम की स्थिति है।

भारत सरकार

सबके लिए, सब जगह सुलभ होतीं आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

धन्वंतरि जयंती के शुभ अवसर पर

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा

(वर्चुअल माध्यम से)

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

₹961 करोड़ की लागत के

मंदसौर, नीमच एवं सिवनी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का

लोकार्पण

एवं

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों

(मंदसौर, शिवपुरी, राजगढ़, रतलाम और खण्डवा) का

भूमिपूजन

#MPKoModiJiKiSaugat

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

द्वारा

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत

81 लाख से अधिक किसानों को ₹1624 करोड़ की सहायता राशि का अंतरण

राज्य स्तरीय नवम् आयुर्वेद दिवस का आयोजन एवं

512 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण

29 अक्टूबर, 2024 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | मंदसौर, मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री_किसान_कल्याण_योजना_MP

D11093-24

सीधा प्रसारण https://pmindiawebcast.nic.in/ @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP